संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, रविवार, 22 अक्टूबर 2023 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 14 अंक: 282 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

मां दुर्गा जी की आठवीं शक्ति का नाम महागौरी है और नवरात्रि के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है।

फास्ट न्यूज

कल्याणकारी योजनाओं को मिलेगी गति

नई दिल्ली: केंद्र सरकार अपनी कल्याणकारी योजनाओं को पूर्ण रूप से लागू करने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू करेगी। सूत्रों ने बताया कि दिवाली के बाद विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरूआत होगी। इसके तहत कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर

छह महीने का रखा गया लक्ष्य: सूत्रों के हवाले से बताया कि इसके तहत कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में तेजी लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने इसके लिए छह महीने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार 2.7 लाख पंचायतों में 'विकित भारत संकल्प यात्रा' की शुरूआत करेगी।

2.7 लाख पंचायतों में होगी शुरूआत: आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को पूरी तरह से लागू करने के लिए छह महीने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए देशभर में 2.7 लाख पंचायतों में एक मेगा कैंपेन शुरू करेगी।

पीएम मोदी ने तेजी का दिया था सुझाव: सूत्रों ने कहा कि पीएम मोदी ने हाल ही में कैबिनेट की बैठक में अपने सहयोगियों को कड़ी मेहनत करने के लिए कहा था। पीएम मोदी ने योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया था, ताकि योजनाओं में गति लाया जा सके।

चंद्रशेखर राव पर बरसे राहुल गांधी

तेलंगाना: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख के.चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर प्रहार करते हुए कहा कि तेलंगाना के लोगों ने सोचा था कि नए राज्य के गठन के बाद जनता का शासन होगा, लेकिन राज्य बना तो उस पर एक ही परिवार का शासन चल रहा है। राज्य का पूरा फंड चाहे जमीन, बालू या शराब हो सभी कुछ एक अकेले परिवार के नियंत्रण में है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने को तेलंगाना के गतल में विजयभेरी यात्रा के दौरान एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों को लगा कि तेलंगाना राज्य में जनता का शासन होगा, लेकिन राज्य का गठन हुआ तो एक अकेले परिवार का ही शासन स्थापित हुआ।

गगनयान मिशनः उड़ान सफलता की

= गगनयान के पहले टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन-1 सफलतापूर्वक लॉन्च, गगनयान देश का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है जिसके तहत तीन अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष की सैर कराई जाएगी

लॉन्च

8 गगनयान के पहले टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट टीवी-डी1 को श्रीहरिकोटा से सफलतापूर्वक लॉन्च किया

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) लगातार अंतरिक्ष के क्षेत्र में अपनी शक्ति बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को एजेंसी ने गगनयान के पहले टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से सफलतापूर्वक लॉन्च किया। हाल के दिनों में चंद्रयान-3 की चन्द्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंडिंग और आदित्य-एल1 की लॉन्चिंग दुनियाभर में चर्चा का विषय रहे। अब इसरो की नजर गगनयान मिशन पर है जिसके तहत तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाया जाएगा।

क्या है गगनयान मिशन?: गगनयान देश का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है जिसके तहत तीन अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष की सैर कराई जाएगी। इस मिशन को अगले साल के आखिर या 2025 की शुरूआत तक भेजा जा सकता है।

2024 में मानव रहित परीक्षण उड़ान होगी, जिसमें एक व्योममित्र रोबोट भेजा जाएगा।

परीक्षण का रूसी मिशन से है कनेक्शन

रूसी मिशन सोयुज एमएस-10 मिशन को 11 अक्तूबर 2018 को लॉन्च किया गया था। इस मिशन में रूसी एजेंसी रोस्कोस्मोस ने अपने सदस्य अलेक्सेय ओवचिनीन और नासा ने अपने सदस्य निक हेग को भेजा था। टेक-ऑफ के बाद मिशन कंट्रोल ने घोषणा की कि एक बूस्टर फेल हो गया। 35 वर्षों में पहली बार हुआ जब कोई रूसी बूस्टर असफल हुआ लेकिन क्रू लॉन्च एस्केप सिस्टम की वजह से क्रू बचने में सफल रहे। लॉन्चिंग के बाद क्रू कैप्सूल को लॉन्च व्हीकल से अलग कर लिया गया था। यही कारण है कि इसरो ने रूस के अनुभव से सीख ली है कि मानव मिशन में क्रू की सुरक्षा सर्वोपरी होनी चाहिए।

खास सूची में शामिल हो जाएगा भारत

गगनयान मिशन सफल होता है, तो भारत उन देशों की एक खास सूची में शामिल हो जाएगा, जिन्होंने खुद चालक दल अंतरिक्ष यान लॉन्च किया है। वर्तमान में ऐसा मुकाम हासिल करने वाले देश केवल अमेरिका, रूस और चीन ही हैं।

भारत और भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री: कैप्टन राकेश शर्मा अंतरिक्ष मे जाने वाले भारत के पहले व्यक्ति हैं। 1984 में इसरो और रूस के इंटरकस्मिक कार्यक्रम के एक संयुक्त अंतरिक्ष अभियान के अंतर्गत राकेश शर्मा आठ दिन तक अंतरिक्ष में रहे। राकेश उस समय भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर और विमानचालक थे। वहीं कल्पना चावला अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के जरिए अंतरिक्ष जाने वाली भारतीय मूल की पहली महिला थीं।

टीवी-डी1 के पहले परीक्षण में देरी क्यों हुई?

गगनयान मिशन के लिए टेस्ट उड़ान टीवी-डी1 को सुबह 8 बजे लॉन्च किया जाना था। हालांकि, लॉन्चिंग से 5 सेकंड पहले टेस्ट को रोक दिया गया। इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने इसका कारण बताते हुए कहा, 'लिफ्ट-ऑफ का प्रयास नहीं हो सका...व्हीकल सुरक्षित है... हम जल्द ही वापस लौटेंगे... जो कंप्यूटर काम कर रहा है उसने लॉन्च रोक दिया है... हम इसे ठीक करेंगे और जल्द ही लॉन्च शेड्यूल करेंगे।' हालांकि, गगनयान की टेस्ट फ्लाइट सुबह 10 बजे सफलतापूर्वक लॉन्च कर दी गई।

टीवी-डी-1 टेस्ट मिशन की अहमियत क्या है?

2025 में जब भारत के महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष अभियान गगनयान के तहत अंतरिक्ष यात्री धरती से 400 किमी ऊपर अंतरिक्ष में तीन दिन बिताने जाएंगे, तब किसी भी वजह से अंतरिक्ष यात्रियों को नहीं खोना पड़े, इसके लिए कुल छह परीक्षण की शृंखला में यह पहला परीक्षण है। इसरो के इस परीक्षण से क्रू इस्केप सिस्टम (सीईएस) की क्षमता और दक्षता के बारे में विस्तार से जानकारी मिलेगी। इसके अलावा किसी आपात परिस्थिति में अभियान को बीच में ही रद्द किए जाने पर अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित बचाने की रणनीति को फेल-सेफ बनाने में मदद मिलेगी। राष्ट्रीय अंतरिक्ष इसरो के मुताबिक, फ्लाइट टेस्ट व्हीकल अबॉर्ट मिशन1 में किसी अनहोनी की दशा में अंतरिक्ष यात्रियों को बचाने में यह क्रू-एस्केप प्रणाली काम आएगी। उड़ान भरते समय अगर मिशन में गड़बड़ी हुई तो यह प्रणाली क्रू मॉड्यूल के साथ यान से अलग हो जाएगी, कुछ समय उड़ेगी।

नूंह जिला के नल्हड़ गांव पहुंचे सीएम खट्टर

पूजा-अर्चना

8 सीएम ने महादेव मंदिर में की पूजा-अर्चना, हिंसा में मारे गए शक्ति सिंह के घर पहुंचे

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़/दीपिका शर्मा

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को नूंह जिला के नल्हड़ गांव में स्थित नल्हेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख व समृद्धि की कामना की। इस दौरान उन्होंने वहां के निवासियों से बातचीत की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने नूंह हिंसा में मारे गए भादस गांव के शक्ति सिंह के घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि शक्ति सिंह के बच्चों का किसी अच्छे स्कूल में दाखिला करवाया जाए तथा इनकी देखभाल करें। सनद रहे कि 31 जुलाई को भादस गांव के 35 वर्षीय शक्ति सिंह की नूंह हिंसा में मौत हो गई थी।

मणिपुर हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील की अनुमति मिली

टीम एक्शन इंडिया/इंफाल

मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य के आदिवासी संगठनों को 27 मार्च के आदेश के खिलाफ अपील दायर करने की अनुमति दी है। आदेश में राज्य सरकार को निर्देश दिया गया था कि वह मैतेई समुदाय को एसटी दर्जा देने के लिए सिफारिश भेजे। जस्टिस अहनथेम बिमोल और जस्टिस गुणेश्वर शर्मा की बेंच ने अपने 19 अक्टूबर के आदेश में अपील की अनुमति दी है।

...बात पिताजी तक न पहुंचेः अखिलेश यादव

टीम एक्शन इंडिया/हरदोई

अखिलेश यादव को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के बयान जिसने अपने पिता का सम्मान नहीं किया वो हमारा क्या सम्मान करेगा पर अखिलेश यादव ने संयत भाषा में जवाब दिया। पत्रकारों से वार्ता के दौरान पूर्व सीएम ने कहा बात पिता जी तक न पहुंचे तो अच्छी बात है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग भी जवाब देना जानते हैं। विधानसभा में भी डिप्टी सीएम और सीएम को इस तरह की बातों का जवाब दिया जा चुका है। पर हम किसी उलझनों में फंसना नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ये बयान उन लोगों की ओर से आ रहे हैं, जिनकी आईएनडीआईए की गठबंधन की बैठक में कुर्सी भी नहीं थी।

कमलनाथ को भी दिया जवाब: कांग्रेस नेता कमलनाथ के अखिलेश-वखिलेश के बयान पर कहा हमारे कमलनाथ जी के अच्छे संबंध हैं। उनके नाम में कमल है, देखों कितना अच्छा नाम है, जिसके नाम में कमल होगा वो अखिलेश कहेंगे, वखिलेश तो नहीं कहेंगे।

राहत

मुख्यमंत्री ने 9.72 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी की

कुल्लू से आपदा प्रभावितों के पुनर्वास की शुरूआत, राहत राशि वितरित

टीम एक्शन इंडिया/कुल्लू/ श्याम कुल्वी

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस वर्ष बरसात के दौरान भारी बारिश, भू-स्खलन तथा बाढ़ से आई आपदा से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की शुरूआत आज कुल्लू जिला से की और प्रभावितों को विशेष राहत पैकेज के लाभ प्रदान किए। कुल्लू के रथ मैदान से मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर जिला कुल्लू में मकान बनाने के लिए पहली किस्त के रूप में 9.72 करोड़ रुपए की राहत राशि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से जारी की। यह मुआवजा राशि जिला में आपदा के दौरान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त घरों के मालिकों को उनके पुनर्वास के लिए प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत जुलाई माह में कुल्लू से उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों की शुरूआत की थी और आज यहीं से राहत राशि बांटने की योजना का भी शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के संसाधन सीमित हैं, लेकिन वर्तमान सरकार प्रभावितों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आम आदमी और गरीब की सरकार है तथा उनके दुःख.दर्द को बेहतर ढंग से जानती है। इसीलिए 75 हजार करोड़ का कर्ज और सरकारी कर्मचारियों की 10 हजार करोड़ की देनदारियां होने के बावजूद राज्य सरकार ने आपदा प्रभावित परिवारों के लिए 4500 करोड़ रुपए का विशेष राहत पैकेज जारी किया है।

जिसके तहत पूरी तरह से क्षतिग्रस्त घर पर दिए जाने वाले 1.30 लाख रुपये के मुआवजे को साढ़े पांच गुणा बढ़ाकर सात लाख रुपये किया गया है। इसके अलावा कच्चे मकान के आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त होने पर मुआवजे को 25 गुणा बढ़ाते हुए 4000 रुपये से एक लाख रुपये तथा पक्के घर को आंशिक क्षति होने पर मुआवजे को साढ़े 15 गुणा बढ़ाकर एक लाख रुपये किया गया है।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि दुकान तथा ढाबा के क्षतिग्रस्त होने पर मुआवजे को 25 हजार रुपये से चार गुणा बढ़ाकर एक लाख रुपये किया गया

अकाल मृत्यु पुलिस आश्रित परिवारों को एक लाख रुपये का सहयोग दिया जाएगा: धामी

प्रावधान

8 पुलिस कर्मियों के आवास के लिए 100 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रावधान किया जायेगा।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस स्मृति दिवस पर बलिदानियों को श्रद्धां२२जलि देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सेवा के दौरान पुलिस कर्मियों की अकाल मृत्यु होने पर आश्रित परिवार को तत्काल 01 लाख रुपये आर्थिक सहयोग दिये जाने के लिए पुलिस बलिदान कल्याण कोष के लिए 02 करोड़ रुपये की धनराशि दी जायेगी।
शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुलिस लाइन, देहरादून में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक पर पुलिस एवं अर्द्ध सैन्य बलों के शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उत्तराखंड के बलिदानी पुलिस जवानों के परिजनों को सम्मानित भी किया।
मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर चार घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि सेवा के दौरान पुलिस कर्मियों की अकाल मृत्यु होने पर आश्रित परिवार को तत्काल 01 लाख रुपये आर्थिक सहयोग दिये जाने के लिए पुलिस शहीद कल्याण कोष के लिए 02 करोड़ रुपये की धनराशि दी जायेगी।
अराजपत्रित पुलिस कर्मचारियों का निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण कराया जायेगा। अगले तीन वर्षों में पुलिस कर्मियों के आवास के लिए 100 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रावधान किया जायेगा। पुलिस विभाग में मृतक आश्रितों की भर्ती संबंधी अड़चनों को दूर किया जायेगा।
मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने का उत्तरदायित्व राज्यों की पुलिस बल व अर्द्धसैनिक बलों का है। अपने इस उत्तरदायित्व को निभाते हुए पुलिस कर्मी अपने जीवन की आहुति को भी तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस व्यवस्था किसी भी राज्य की सुरक्षा एवं समृद्धि का एक आवश्यक अंग है। हमारे राज्य की पुलिस भी सेवा की भावना के अनुरूप कार्य करते हुए शान्ति एवं कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिए अनेकों चुनौतियों नशा, साइबर क्राइम, महिला अपराध, यातायात व्यवस्था, चारधाम यात्रा, आपदा, भूस्खलन, कांवड़ यात्रा आदि का प्रबंधन करती है।
उन्होंने बताया कि उत्तराखंड पुलिस ने इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा में आये करीब 4 करोड़ से अधिक एवं चारधाम यात्रा में अब तक पहुंचे लगभग 50 लाख श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा एवं दर्शन कराते हुए गन्तव्य तक सुरक्षित पहुंचाने में सराहनीय योगदान दिया है। जी-20 सम्मेलन, की राज्य में हुई तीन बैठकों में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था को उत्तराखंड पुलिस द्वारा सुनिश्चित कराया गया।

एम्स की टीम ने कैंसर के बारे में लोगों को दिया जागरूकता का संदेश

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
कैंसर के प्रति आम लोगों को जागरुक करने के उद्देश्य से एम्स ऋषिकेश द्वारा रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम, कनखल हरिद्वार में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों को कैंसर के लक्षणों सहित उसके बचाव व इलाज की विस्तृत जानकारी दी गई।
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश के शल्य चिकित्सा विभाग द्वारा इन दिनों कैंसर के प्रति आम लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के तहत कनखल, हरिद्वार स्थित रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में नुक्कड़ नाटक आयोजित कर लोगों को स्तन कैंसर के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में स्तन कैंसर के लक्षण पहचानने के तरीके बताए गए। साथ ही कैंसर के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान शल्य चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. सोमप्रकाश बासु ने कहा कि प्रत्येक 4 में से 1 महिला को स्तन कैंसर की शिकायत रहती है। भारत में अभी भी इसके लक्षणों के प्रति लोग जागरूक नहीं हैं और आम महिलाओं द्वारा आज भी इसका इलाज कराने में देरी की जाती है।
एकीकृत स्तन उपचार केन्द्र, एम्स के हेड व जनरल सर्जरी विभाग के एडिशनल प्रो. डॉ. फरहानुल हुदा ने बताया कि स्तन कैंसर के उपचार में आवश्यकता के अनुसार सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी एवं हार्मोनल थेरेपी का उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि उपचार की आधुनिक तकनीकों एवं शोध के कारण अब कई मरीजों में उपचार के लिए पूरे स्तन को निकालना जरूरी नहीं होता है। यदि निकालने की आवश्यकता पड़ी भी तो उस दशा में दूसरा स्तन बनाया जा सकता है।
स्तन रोग यूनिट की डॉ. अमूल्या रेड्डी ने स्तन कैंसर के लक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया कि किस प्रकार कोई भी महिला अपने स्तर से स्वयं स्तन परीक्षण करके स्तन में गांठ, चमड़ी का मोटापन, छाला या रक्तस्राव आदि की पहचान कर सकता है। विभाग की वरिष्ठ नर्सिंग ऑफिसर दीप्ति रावत ने स्वयं स्तन परीक्षण करने के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

न्यूज फ्लैश

ऋषिकेश में गोली चलाने वाले आरोपितों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
ऋषिकेश में हवाई फायरिंग और हॉकी स्टिक से मारपीट करने वाले चार आरोपितों को पुलिस ने कुछ ही घंटों में कर लिया है।
जिले के कप्तान अजय सिंह ने बताया कि शुक्रवार की देर रात को चंद्रभागा पुल के निकट एक स्थानीय युवक दीपक जयसवाल के ऊपर थूकने को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद तैश में आकर आरोपितों ने पिस्टल निकालकर हवाई फायर की। आरोपित श्रीनगर विश्वविद्यालय के छात्र हैं, जो शुक्रवार को ऋषिकेश घूमने आए थे। फायर करने के बाद वह श्रीनगर की तरफ भागे जहां टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उनसे पिस्टल भी बरामद हुई है।
आरोपितों की पहचान समरजीत तेवतिया निवासी शिवाजी नगर, पिलखुवा थाना पिलखुवा जिला हापुड़ यूपी, हिमांशु निवासी ग्राम तुमडैल गिरधरपुर थाना हापुड़ यूपी, दिलीप निवासी गतां मुंडावर थाना नारायणपुर जिला अलवर राजस्थान औ? रियांस निवासी कांता कथूरिया कॉलोनी थाना जय नारायण व्यास कॉलोनी जिला बीकानेर राजस्थान के रूप में हुई है।

गुरुकुल के 11 बच्चों का हुआ प्लेसमेंट

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. राजुल भारद्वाज ने बताया कि देश की प्रतिष्ठित कम्पनियों ने 11 छात्रों का चयन किया है।
इसमें अटैरो रिसाइक्लिंग प्रालि कंपनी से एचआर अधिकारी सचिन एवं उनकी टीम ने एमएससी से 02 छात्र तरुण एवं सत्यम पंवार और क्लाउडरैक सॉफ्टवेयर प्रालि (नोएडा) से एचआर अधिकारी राधेश्याम एवं उनकी टीम द्वारा ने बीटैक के आदित्य यादव एवं एमसीए की छात्रा भारती चौहान, माधव कान्त भारद्वाज एवं रोहित चौहान तथा हाइक एजुकेशन कंपनी से एचआर अधिकारी तेजनारायण ने बीटैक के छात्र आशु श्रवण, रेशव मेनिया, अस्मित सिरोही, पीयूष कुमार एवं एमबीए के छात्र प्रणव शर्मा को चयनित घोषित किया।
समविश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमदेव शतांशु, कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार, वित्ताधिकारी डॉ. देवेन्द्र कुमार गुप्ता, इन्चार्ज सीएओसी एवं ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. राजुल भारद्वाज एवं समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने छात्रों के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

गुरुकुल विवि में निबंध और स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय की एनसीसी यूनिट द्वारा खादी महोत्सव के अन्तर्गत जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के सभागार में निबन्ध प्रतियोगिता व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में एनसीसी के 50 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। एनसीसी कैडेट्स को खादी के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वृत्त चित्र (डोक्यूमेंट्री फिल्म) के माध्यम से प्रोत्साहित किया गया।
समविश्वविद्यालय एनसीसी यूनिट के प्रभारी कैप्टन डा. राकेश भूटियानी ने कैडेटों से कहा कि खादी हमारे देश का मूल परिधान होने के साथ-साथ हमारे स्वाभिमान का प्रतिक है। भारत सरकार द्वारा खादी के परिधानों को प्रोत्साहित करने की दिशा में व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं।
ऐसे में आवश्यकता है कि हमारी युवा पीढ़ी भी सरकार के इस अभियान से जुड़कर खादी के परिधानों की ओर आकर्षित हो, इससे जहां एक तरफ स्वदेशी परिधानों की बिक्री में वृद्धि होगी, वहीं इस उद्योग से जुड़े हमारे ग्रामीण परिवेश के लोगों को सीधे रोजगार के क्षेत्र में अधिक आय के संसाधन उपलब्ध होंगे। डा. भूटियानी ने बताया कि आयोजित की गयी प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा निर्णायक मण्डल द्वारा शीघ्र कर कैडेट्स को समविश्वविद्यालय के पदाधिकारियों द्वारा प्रोत्साहित किया जाएगा।

गौरी जोशी ने दी 'हाम्रो दशैं' की बधाई

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शनिवार को गोखार्ली सुधार सभा के मानेकशॉ सभागार में गोखार्ली सुधार सभा द्वारा दशहरा के उपलक्ष्य में आयोजित 'हाम्रो दशैं सांस्कृतिक महोत्सव-2023' का दीप प्रज्ज्वलित का शुभारंभ किया। मंच पर दुर्गा वंदना करते हुए माँ अम्बे भगवती का आह्वान किया। अध्यक्ष पदम सिंह थापा ने मंत्री गणेश जोशी को खादा ओढ़ाकर एवं पौधा देकर स्वागत किया।
कार्यक्रम में संस्कृति को दशार्ने के लिए मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। इनमें कौसेली सांगितिक ग्रुप, गुराँस सांस्कृतिक कला केंद्र, महिला एकता समिति रायपुर, तमुधिं गुरूंग समाज, नेहरूग्राम शाखा, ठाकुरपुर शाखा क्लेमेंटाऊन शाखा, भारूवाला ग्रांट शाखा के कलाकारों ने अपनी सुंदर प्रस्तुतियां दीं। सुपर मोम शो ने बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ का संदेश भी दिया, जिसने दर्शकों को बेहद प्रभावित भी किया। साथ ही उत्तराखंड के गढ़वाली और कुमाउनी गीतों का भी लुफ्त उठाया। इस दौरान मंत्री ने कई विभूतियों को सम्मानित भी किया। दशहरा गोखार्ली समाज का एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जिसमें हम नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना-पूजा करते हैं।

पुलिस स्मृति दिवस पर एसएसपी ने किया बलिदानियों को नमन

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शनिवार को प्रातः पुलिस लाइन रोशनाबाद में स्थापित शहीद स्मारक पर पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल व जनपद के अन्य पुलिस अधिकारियों ने बलिदानियों को पुष्पचक्र भेंट कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सलामी गार्द पुलिस बलिदानियों को शोक सलामी देकर सर्वोच्च बलिदान के लिए याद किया।
कार्यक्रम में एसपी क्राइम अजय कुंभार गणपति, एसपी ग्रामीण स्वप्न किशोर, एएसपी संचार विपिन कुमार, एएसपी, क्षेत्राधिकारी लक्सर मनोज

ठाकुर, क्षेत्राधिकारी मंगलौर बहादुर सिंह चौहान, क्षेत्राधिकारी रुड़की पल्लवी त्यागी, क्षेत्राधिकारी सदर स्वप्निल मुयाल, क्षेत्राधिकारी ज्वालापुर निहारिका सेमवाल एवं जनपद के समस्त कोतवाली, थाना प्रभारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।
हरिद्वार पुलिस इस वर्ष अपने वीर बलिदानियों के महान कर्तव्य पालन एवं आत्म-बलिदान की सराहना करते श्रद्धांजलि दी।

दो बाइक चोर गिरफ्तार, बाइक बरामद

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से चोरी की दो बाइक बरामद की है। पुलिस ने आरोपितों का चालान कर दिया है।
मंगलौर पुलिस की चेकिंग अभियान पर थी। इसी दौरान टीम के ई चालान मशीन से चेकिंग के दौरान कोतवाली मंगलौर में वर्ष 2022 में चोरी हुई बाइक नंबर का पता चला। पुलिस ने तत्काल आरोपितों को हिरासत में ले लिया तथा उनके कब्जे से चोरी की दो बाइक बरामद कीं। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने अपने नाम आस

मोहम्मद पुत्र अल्तापी व मुजम्मिल पुत्र उस्मान निवासीगण वार्ड नंबर 5 मोहल्ला किला कस्बा लंढौरा कोतवाली मंगलौर हरिद्वार बताए।

स्वामी रामतीर्थ महान संत परंपरा के महापुरुष

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शनिवार को राजभवन से स्वामी रामतीर्थ की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित किया।
श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय, टिहरी और स्वामी रामतीर्थ फाउंडेशन टिहरी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्यपाल ने स्वामी रामतीर्थ जी की 150वीं जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड, ऋषि-मुनियों, साधु-संतों और महान विचारकों की पवित्र भूमि है।

हनी ट्रैप के बड़े मामले का हरिद्वार पुलिस ने किया खुलासा

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस ने आज हनी ट्रैप के बड़े मामले का पदार्फाश किया है। इस संबंध में पुलिस ने महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई महिला बड़े शातिराना अंदाज से लोगों को हनी ट्रैप में फंसाने का काम करती थी, जबकि युवती की आड़ में काम कर रहा आरोपित ट्रक लूट समेत कई अन्य मामलों में पूर्व में भी जेल जा चुका है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है।
लक्सर कोतवाली में पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 25 अगस्त को अनंगपाल पुत्र कबल सिंह निवासी ग्राम माजरी थाना खानपुर हरिद्वार ने पुलिस को तहरीर देकर अपने भतीजे अभिषेक की इंस्टाग्राम आईडी पर महक शर्मा अलवी नाम की आईडी से फ्रेन्ड रिक्वेस्ट भेजकर स्वयं को लाचार व मजबूर बताकर बातचीत करना शुरू की।कोतवाली मंगलौर से आरोपितों और अन्य साथियों से फोन कराकर दुष्कर्म समेत अन्य आरोप लगाकर अपने अन्य साथियों के साथ षड्यन्त्र रचकर उसके भतीजे को ब्लैकमेल कर 20 लाख रुपये नहीं देने पर मुकदमे में फंसाने के सम्बन्ध में ब्लैकमेल किया गया। इस संबंध में थाना खानपुर में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने घटना का संज्ञान लेते हुए तत्काल टीम गठित करायी गयी।
थाना स्तर से टीम गठित ने आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए कार्य करते हुए बीते रोज 2 आरोपितों को कस्बा मंगलौर, हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपित 20 वर्षीय इलमा पुत्री अहसान निवासी आमडार महिला थाना शाहजहांपुर उ.प्र. हाल पता रामनगर कोतवाली गंगनहर हरिद्वार ने बताया कि वह लोगों को इंस्टाग्राम व फेसबुक पर अपने नाम की फर्जी आईडी बनाकर भोले-भाले लड़कों से बात कर उन्हें अपनी बातों में फंसाकर व खुद के साथ दुष्कर्म कर अन्य आरोपों में फंसाने की धमकी देकर अपने साथियों के साथ मिलकर ब्लैकमेल कर लोगों से लाखों रुपये ऐंठ लेते हैं, जिससे उसका व गैंग के अन्य साथियों का खर्चा चलता है।

ऋषिकेश में पर्यटकों ने हवाई फायर झोंका, युवक को पीटा

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
ऋषिकेश लक्ष्मण झूला मार्ग पर स्थित चंद्रभागा पुल के समीप बाहर से आए कुछ पर्यटकों ने बीच सड़क पर स्थानीय एक युवक को हाकी और डंडों से पीटने के बाद लोगों को डराने के लिए एक युवक ने हवाई फायर भी किया। इसके बाद गाली गलौज करते हुए युवक मुनि की रेती की ओर भाग गए। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।
पुलिस ने मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।
चंद्रभागा पुल के समीप शुक्रवार की देर रात हरिद्वार की ओर से आ रही एक कार सवार युवकों

की राह चल रहे एक अन्य युवक से कहा सुनी हो गई। युवक का आरोप था कि कार में बैठे युवकों ने सड़क पर थूका, जिससे उसके ऊपर छीटें आए। इसके बाद वहां दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। गाड़ी में सवार पर्यटकों ने सड़क पर ही दबंगई करनी शुरू कर दी। उनकी कार में हाकी और डंडे रखे भी थे। कार सवार एक युवक ने पिस्तौल निकालकर हवाई फायर किया, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सड़क पर काफी देर तक हंगामा होता रहा।
उन्होंने स्थानीय युवक को बेरहमी से पीटा और उसके कपड़े तक फाड़ दिए। इसके बाद हंगामा करने वाले युवक गाली-गालौज करते हुए वहां से भाग निकले। मौके पर किसी ने घटना का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया में डाल दिया। इससे लोगों को रात में बीच सड़क पर तीर्थनगरी में हुए हंगामा के बारे में पता चला।
कोतवाली प्रभारी निरीक्षक केआर पांडेय ने बताया कि स्थानीय युवक चंदेश्वर नगर का रहने वाला है। उसकी ओर से शिकायत पत्र देने की बात कही गई है।

आखिरकार 17 अध्यासियों को खाली करना होगा काबुल हाउस

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
आखिरकार काबुल हाउस के 17 अध्यासियों को काबुल छोड़ने का निर्देश हो गया है। जिलाधिकारी सोनिका की अदालत से शत्रु सम्पत्ति पर काबिज 17 लोगों को 15 दिन के भीतर अध्यासन छोड़ना होगा और अध्यासन न छोड़े जाने की दशा में पुलिस की मदद से उनका स्थान खाली करा दिया जाएगा। यह प्रकरण 1980 से ही विभिन्न न्यायालय में लंबित था।यह उच्च न्यायालय नैनीताल तक मामला पहुंचा और न्यायालय के निर्देश पर जिलाधिकारी देहरादून की ओर से इसे खाली कराने के निर्देश कर दिए गए हैं। शनिवार को इस्लामुद्दीन अंसारी ने बताया कि

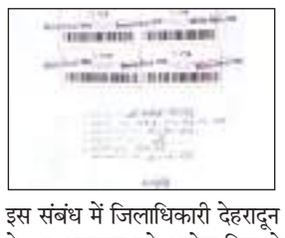

इस संबंध में जिलाधिकारी देहरादून ने 17 अक्टूबर को आदेश किए थे जिसे आज पक्षकारों को दिया गया है। इस संबंध में राशिद निसार ने विशेष पहल की गई थी।
शत्रु सम्पत्ति काबुल हाउस का प्रकरण लंबे अर्से से न्यायालय में लंबित था और भाजपा नेता इस्लामुद्दीन अंसारी इस प्रकरण पर निरंतर प्रयास में जुटे थे। सरकार बनाम भगवती प्रसाद आदि के वाद संख्या 06-22-23 मौजा उद्दीवाला परगना केंद्रीय दून, तहसील सदर की यह पत्रावली उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन 28 अगस्त को सुनी गई थी। जिलाधिकारी ने अपने निर्देश में कहा है कि पत्रावली देखने से पता चला है कि श्रीमती सुशीला भट्ट आदि के द्वारा अपर जिलाधिकारी को 2007 में एक आवेदन दिया गया था, जिसमें एक याचिका का उल्लेख किया गया था।
उन्होंने लिखा है कि इस मामले पर सहायक कस्टोडियन जिला मजिस्ट्रेट देहरादून के न्यायालय में इस प्रकरण के बारे में अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया था, लेकिन इन लोगों ने कोई पैरवी नहीं की। इस संबंध में भगवती प्रसाद उनियाल, धनबहादुर राणा, विनोद कुमार पंत, मनीष भाटिया, मीना कुमार, सौरभ गौड़, नीतिन, जब्बल सिंह, बच्ची देवी, मीनाक्षी, राजमोहन, राजकुमार, कमल, अजय, संजय, अमृत कौर, शांति जोशी आदि को निर्देश दिया गया है कि वह प्रश्नगत सम्पत्ति 15 बी ईसी रोड़ काबुल हाउस जो निष्क्रांत सम्पत्ति है और राज्य सरकार में निहित है, उसको निष्कासित किया जाता है। उनको निर्देश दिया जाता है कि वह प्रश्नगत सम्पत्ति को रिक्त कर सरकार को सौंपें। यदि ऐसा नहीं होगा तो सरकार को इस संबंध में निर्णय लेना पड़ेगा।
जिलाधिकारी सोनिका की अदालत से 32 पृष्ठों के इस निर्णय के बाद शत्रु संपत्ति काबुल हाउस के कब्जेदारों में हड़कंप मचा हुआ है। इस संदर्भ में 12 जनवरी को भाजपा नेता इस्लामुद्दीन के साथ राशिद निसार ने भी पैरवी की थी। उन्होंने कहा था कि 14 अक्टूबर 1984 को राजस्व आयुक्त अनुभाग छह राणा प्रताप सिंह मार्ग लखनऊ ने जिलाधिकारी, देहरादून को निर्देश दिए गए थे कि 15, 15वी, काबुल हाउस ईसी रोड देहरादून की सम्पत्ति पर अवैध अध्यासियों को नोटिस भेजकर तुरंत भूखंड खाली कराया जाए और यदि वह नहीं खाली कर दें तो बलपूर्वक खाली कराया जाए। साथ ही अवैध अध्यासन अवधि का बाजार दर से किराया वसूला जाए।

पुलिस स्मृति दिवस पर उत्तरकाशी पुलिस ने बलिदानी जवानों को दी श्रद्धांजलि

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस स्मृति दिवस पर शनिवार को उत्तरकाशी पुलिसलाइन स्थित बलिदान स्मारक में बलिदानी हुए पुलिस के जवानों को पुलिस परिवारों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक यदुवंशी ने बलिदानी हुए पुलिस के जवानों को याद कर उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।
शनिवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर जनपद के सभी कोतवाली-थाना चौकी पर सम्बन्धित प्रभारियों की मौजूदगी में शहीद जवानों को याद कर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी।

गौरतलब है कि 21 अक्टूबर 1959 को भारत की उत्तरी सीमा पर लद्दाख के 15 हजार फीट ऊंचे बर्फीलें दुर्गम क्षेत्र में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की गश्ती टुकड़ी के 10 जवान चीन के आक्रमणकारियों से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। इन्हीं वीर सपूतों के बलिदान की स्मृति में हर वर्ष 21 अक्टूबर को देश भर में पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है।
श्रद्धांजलि सभा में पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी अनुज कुमार, पुलिस अपाधीक्षक (ऑपरेशन) प्रशान्त कुमार, निरीक्षक यातायात राजेन्द्र नाथ, निरीक्षक एलआईयू बृजमोहन गुसाईं, निरीक्षक पुलिस दूरसंचार , सचिन कुमार, वाचक पुलिस अधीक्षक कोमल सिंह रावत सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा शहीद स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित कर बलिदानी जवानों को श्रद्धांजलि दी गई।

औद्योगिक इकाइयों के लाभार्थियों के खाते में 90 करोड़ रुपये की राशि स्थानान्तरित

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 40 औद्योगिक इकाइयों को स्वीकृत 90 करोड़ की धनराशि लाभार्थियों के खातों में स्थानान्तरित कर दी। शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने औद्योगिक विकास योजना के अन्तर्गत स्थापित उद्योगों को भारत सरकार से प्राप्त अनुदान धनराशि का डिजिटल स्थानान्तरण किया। मुख्यमंत्री ने 40 औद्योगिक इकाइयों को स्वीकृत 90 करोड़ रुपये की धनराशि लाभार्थियों के खातों में स्थानान्तरित की। भारत सरकार की औद्योगिक विकास योजना 2017 के अन्तर्गत हिमालयी राज्यों उत्तराखंड एवं हिमाचल प्रदेश में औद्योगिक को प्रोत्साहित किये जाने के लिए स्थापित होने वाली विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र की इकाइयों को संयंत्र और मशीनरी में किये गये निवेश पर 30 प्रतिशत की दर से अधिकतम 05 करोड़ रुपये तक की सब्सिडी दी जाती है।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में उद्योगों के विकास के लिए औद्योगिक विकास योजना के माध्यम से राज्य को सहयोग प्रदान करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य में उद्योगों के प्रोत्साहन, संवर्द्धन और विस्तारीकरण के लिए यह महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने कहा कि राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।
उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत लंदन, बर्मिंघम, दिल्ली, दुबई और अबू धाबी में विभिन्न निवेशक समूहों के साथ हुई बैठकों में राज्य में निवेश के लिए लगभग 55 हजार करोड़ के करार हो चुके हैं।
मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक जो करार हुए हैं, राज्य सरकार का प्रयास है कि 08-09 दिसम्बर 2023 को देहरादून में प्रस्तावित इन्वेस्टर्स समिट तक अधिकांश करारों को धरातल पर उतारने का कार्य पूर्ण हो जाये। उन्होंने कहा कि विभिन्न बैठकों में जो भी सुझाव प्राप्त हो रहे हैं, उन सुझावों पर भी अमल किया जा रहा है। जो भी करार हुए हैं और प्रस्ताव आये हैं, उनका पूरा आंकलन कर आगे कार्य किये जायेंगे। निवेश के साथ-साथ स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले और प्राथमिक सेक्टर को मजबूत बनाने वाले प्रस्तावों एवं करारों को प्राथमिकता के आधार पर प्रोत्साहित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जो भी नीतियां बनाई हैं, निवेशकों, उद्योग एवं उत्तराखंड के लोगों के हितों को ध्यान में रखकर बनाई हैं।

कबड्डी टीम के कप्तान पवन सहरावत ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से शनिवार को राजभवन में भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान पवन सहरावत ने शिष्टाचार भेंट की। हाल ही में चीन में हुए एशियाई खेलों में उनकी कप्तानी में भारत ने स्वर्ण पदक जीता है।
इसके लिए राज्यपाल ने बधाई दी और उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।
राज्यपाल ने कहा कि वे हमारे युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। हम सभी को अपने खिलाड़ियों पर गर्व है कि उनके उत्कृष्ट खेल से इस वर्ष एशियाई खेलों में रिकॉर्ड 107 मेडल जीते हैं।
राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड के युवाओं में कबड्डी खेल में बेहतर करने की संभावनाएं हैं। युवाओं को इस प्रकार के खिलाड़ियों से सीख लेने की जरूरत है। इस अवसर पर राज्यपाल ने उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

पति की हत्या कराने वाली महिला प्रेमी संग गिरफ्तार

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
पति की हत्या कराने वाली महिला प्रेमी संग गिरफ्तार गिरफ्तार कर ली गई है। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध दर्ज कर लिया है।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने शनिवार को बताया कि 19 अक्टूबर को डाकपत्थर क्षेत्रान्तर्गत जलालिया पीर के पास यमुना में एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ था। उसके शरीर पर चोट व खरोंच के निशान थे। मृतक की शिनाख्त उसके भाई नितिन कुमार ने अपने भाई अरुण कुमार उर्फ जुगनू निवासी बुलाकीवाला के रूप में की गयी। मृतक के शरीर पर चोट व खरोंच के निशान देख उसने अपने भाई की हत्या किये जाने का मुकदमा दर्ज कराया था।

गायत्री साधना के साधक की आत्मा पवित्र होती है: डॉ. पण्ड्या

नवरात्र साधना

> 8 पण्ड्या देवसंस्कृति विवि के सभागार में साधकों को नवरात्र साधना के सातवें दिन संबोधित कर रहे थे।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्ड्या ने कहा कि साधना के माध्यम से मन को वश कर किया हुआ साधक परमात्मा के निकट होता है और उनकी आत्मा पवित्र होती है। वे सकारात्मक विचारधारा से भरा हुआ होता है।
कुलाधिपति डॉ. पण्ड्या देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के मृत्युंजय सभागार में साधकों को नवरात्र साधना के सातवें दिन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान के नियम-अनुशासन का पालन करने वाला साधक, व्यक्ति ही उनकी कक्षा में प्रवेश कर पाता है। ऐसे साधकों का साधना में मन लग लगता है और वे भगवान के निकट होते हैं। डॉ. पण्ड्या ने कहा कि साधक के मन की लय और लीनता के साथ ही साधना के अगले क्रम में प्रवेश होता है, जो प्रभु को प्रिय है। इसके साथ ही गीता के मर्मज्ञ डॉ. पण्ड्या ने श्रीमद्भगवतगीता के छठवें अध्याय के विभिन्न श्लोकों तथा प्राचीन ग्रंथों का उद्धरण के साथ साधकों के मन में उठने वाली जिज्ञासाओं का समाधान किया। स्वाध्याय के अंतिम चरण में श्रीमद्भगवतगीता की महाआरती हुई।
इससे पूर्व संगीतज्ञों ने सितार, बांसुरी आदि प्राचीन वाद्ययंत्रों के सुमधुर धुन से भक्तिगीत प्रस्तुत कर उपस्थित साधकों को भक्तिभाव में स्नान कराया। इस अवसर पर कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव, समस्त विभागाध्यक्ष, देसंविवि व शांतिकुंज परिवार सहित देश विदेश से आये साधक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

शक्ति पम्पस इंडिया लिमिटेड ने रचा इतिहास

देहरादून। सोलर पंपिंग समाधानों में अग्रणी शक्ति पम्प्स इंडिया लिमिटेड को महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड से 50,000 ऑफ - ग्रिड सौलर फोटोवोल्टिक वाटर पम्पिंग सिस्टम के लिए लेटर ऑफ इम्पेनलमेन्ट प्राप्त हुआ जो सम्पूर्ण महाराष्ट्र राज्य में पीएम - कुसुम स्कीम फेस - 3 के कम्पोनेन्ट - बी के लिए है। इन 50,000 पम्पस की अनुमानित कीमत 1,603 करोड़ रुपये है। इस योजना के तहत, किसानों को 90 प्रतिशत की सब्सिडी प्राप्त होने से काफी लाभ होगा। पीएम - कुसुम स्कीम फेस-3 का कम्पोनेन्ट बी विशेष रूप से 3, 5 एवं 7.5 एचपी तक की व्यक्तिगत क्षमता वाले सौलर ऊर्जा संचालित कृषि पंपों के इंस्टॉलेशन पर केंद्रित है। शक्ति पम्प्स के चेयरमैन दिनेश पाटीदार ने कहा कि हम महाराष्ट्र के एमएसडीसीएल के मैनेजमेंट की इस पहल के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। इस पहल से डिस्कॉम की अतिरिक्त सब्सिडी लोड में कमी आएगी। इसके अलावा डीजल से सोलर पम्प्स पर स्विच करने से आर्थिक बचत, उर्जा स्वतंत्रता में वृद्धि, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और वायु प्रदूषण को कम करके पर्यावरणीय लाभ होगा। हमें खुशी है कि पिछले तीन वर्षों से, शक्ति पम्प्स लगातार कृषि पंपिंग क्षेत्र में किसानों की पहली पसंद रहा है। पाटीदार ने आगे कहा कि वे किसान जिन्होंने इलेक्ट्रिकल कनेक्शन के लिए आवेदन किया था और कनेक्शन का इंतजार कर रहे थे, वे सोलर पम्प्स से अपग्रेड हो जाएंगे जिस से डीजल पम्प्स पर उनकी निर्भरता भी खत्म हो जाएगी।

जेबीएल ने इस दिवाली "हर मूड के लिए परफेक्ट साउंड" कैंपेन का अनावरण किया

देहरादून। हारमन के प्रमुख प्रतिष्ठित ऑडियो ब्रैंड, जेबीएल ने इस फेस्टिव सीजन के तहत पूरे भारत के लिए अपने आगामी ग्राहक (डिजिटल) कैंपेन- "हर मूड के लिए परफेक्ट साउंड" की घोषणा की है। इस कैंपेन का संचालन 50 दिनों तक होगा। उक्त डिजिटल कैंपेन इस बात पर प्रकाश डालता है कि जेबीएल एक्टिव नॉइस कैंसिलेशन हेडफोन्स किस प्रकार सभी लोगों के लिए उपयुक्त हैं, जो उनकी दिनचर्या का अहम हिस्सा होने का वादा करते हैं। त्योहार से पहले की भारी मात्रा में खरीदारी करने से लेकर वापस घर लौटने की बेबाक खुशी और बीच में हर तरह के कामों के दौरान, सभी प्रकार के मूड्स के लिए जेबीएल सर्वश्रेष्ठ विकल्प के रूप में उभरकर सामने आता है। जेबीएल की उत्कृष्ट साउंड क्वालिटी और एक्टिव नॉइस कैंसिलेशन के साथ यूजर्स पीछे के शोर को म्यूट करके और त्योहारों को अनम्यूट करके अपनी निजी दुनिया में पूरी तरह डूब सकते हैं। ट्रेडिशनल एडवर्टाइजिंग के तौर-तरीकों से परे, इस वर्ष का जेबीएल दिवाली कैंपेन कॉन्टेंट-संचालित दृष्टिकोण को अपनाता है, यानि यह ग्राहकों से जुड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म को प्रखर रखता है। यह कैंपेन संबंधित और रचनात्मक कॉन्टेंट की शक्ति का लाभ उठाता है, ताकि गहन रूप से लक्षित दर्शकों तक व्यापक पहुँच सुनिश्चित की जा सके। जेबीएल ने इस नए कॉन्टेंट डिप्लॉयमेंट दृष्टिकोण के प्रमुख उदाहरणों में से एक के रूप में 'म्यूट द वर्ल्ड परफॉर्मर सेगमेंट' लॉन्च करने के लिए क्रिकबज के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी का उद्देश्य क्रिकेट प्रेमियों को यह याद दिलाना है कि वे मैच देखते समय जेबीएल के साथ एक गहन ऑडियो अनुभव का आनंद ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त, जेबीएल ने दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद और बैंगलोर के प्रमुख एयरपोर्ट टर्मिनल्स पर 'म्यूट द वर्ल्ड विद परफेक्ट साउंड' कैंपेन की भी शुरूआत की है। यह कैंपेन जेबीएल के प्रमुख प्रीमियम नॉइस कैंसिलेशन प्रोडक्ट्स पर प्रकाश डालता है, जो निरंतर रूप से एयरपोर्ट्स की हलचल और हवाई जहाजों में आसपास से आने वाली बातचीत की आवाज से परे शांति से स्वयं के साथ समय व्यतीत करने की इच्छा रखने वाले यूजर्स के अनुरूप है। ग्राहकों के लिए जेबीएल हेडफोन्स को और भी अधिक सुलभ और किफायती बनाने की प्रतिबद्धता के तहत ब्रैंड ने प्रमुख बैंक्स के साथ साझेदारी की है, ताकि उन्हें कैशबैक डील्स की पेशकश की जा सके। इन अविश्वसनीय कैशबैक ऑफर्स की उपलब्धता 1 अक्टूबर से 20 नवंबर, 2023 तक रहेगी। इसके माध्यम से ब्रैंड यह सुनिश्चित करता है कि दिवाली सीजन के दौरान यूजर्स की व्यापक संख्या जेबीएल के बेहतरीन साउंड का आनंद ले सके। विक्रम खेर, वाइस प्रेसिडेंट- लाइफस्टाइल, हारमन इंडिया, ने कहा कि जैसा कि रोशनी का त्योहार अब कुछ ही दिनों में दस्तक देने को है, ऐसे में जेबीएल को अपने संगीत और टेक्नोलॉजी के जादू से यूजर्स के दिलों और घरों को रोशन करने पर गर्व है।

नकली दवा फैक्टरी से सप्लाई की गईं 20 लाख की दवाएं जब्त

सप्लाई

> 8 आरोपित ने अपनी कम्पनी एसएस मेडीकोज के माध्यम से फर्मो को नकली दवाओं की सप्लाई की

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस ने पकड़ी गयी नकली दवा फैक्टरी से सप्लाई की गयी 20 लाख की दवायें दिल्ली से जब्त कर लीं हैं। शनिवार को यह जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने दी।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि 14 अक्टूबर को थाना रायपुर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने जनपद देहरादून और हरिद्वार में नकली दवाओं की फैक्टरी पर छापा मारते हुए भारी मात्रा में नकली दवाओं को बरामद किया गया था, जिसमें मुख्य आरोपित सचिन शर्मा की गिरफ्तारी की गई थी।करण की जांच की दौरान आरोपित के बैंक खातों से लाखों रुपये के बैंक ट्रांजेक्शन का होना और आरोपित के विगत 02 वर्षों में लगभग 07 करोड़ रुपये मूल्य की नकली दवाओं की खेप को देश के अलग-अलग राज्यों में लगभग 44 स्थानों पर सप्लाई किया जाना प्रकाश में आया था। आरोपित ने अपनी कम्पनी एसएस मेडीकोज के माध्यम से जिन फर्मों को नकली दवाओं की सप्लाई की गई थी, उनके सम्बन्ध में जानकारी एकत्रित की गई, जिसमें पुलिस को सचिन शर्मा के नाम से रजिस्टर्ड फर्म एसएस मेडीकोज के द्वारा माह सितम्बर में दिल्ली की तीन कम्पनियों भारत मेडीकोज, श्री बालाजी मेडीकोज तथा आर.जी.फार्मा को लगभग 01 करोड़ 85 लाख रुपये की नकली दवाइयां सप्लाई किये जाने की जानकारी मिली। इस पर तत्काल स्पेशल टीम का गठन कर उन्हें गैर राज्यों को रवाना किया गया। टीम ने मुकदमा वादी व संबंधित अधिकारियों के साथ दिल्ली स्थित उक्त तीनों कम्पनियों में छापेमारी की कार्रवाई करते हुए नकली दवाओं की सप्लाई से सम्बन्धित दस्तावेज प्राप्त किये गये। इसमें श्री बालाजी फार्मा के मालिक नितिन अरोड़ा और आर.जे. फार्मा के मालिक रवि बर्नवाल से प्राप्त दस्तावेजों से एस.एस. मेडीकोज ने श्री बालाजी फार्मा को लगभग 97 लाख रुपये तथा आर.जे. फार्मा को लगभग 28 लाख रुपये मूल्य की कीमत की नकली दवाइयां सप्लाई किया जाना ज्ञात हुआ।

कुमाऊं विवि ने घोषित किए परीक्षा परिणाम

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
कुमाऊं विवि ने शनिवार को परीक्षा सत्र 2022-23 में पंजीकृत विद्यार्थियों की एमए सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी, होम साइंस व इकॉनॉमिक्स के चौथे सेमेस्टर, बीए, बीएससी व बीकॉम की बैक परीक्षा के दूसरे व चौथे तथा बीए की मुख्य व बैक परीक्षा के छठे सेमेस्टर, बीएससी होम साइंस के दूसरे व चौथे सेमेस्टर, बीएचएम व बी फार्मा के चौथे, बी लिब के दूसरे, बीसीए के दूसरे व छठे सेमेस्टर, बीएफडी के दूसरे, चौथे व छठे सेमेस्टर, बीवॉक फूड टेक्नोलॉजी के दूसरे व चौथे, बी फार्मा के छठे एवं बीवॉक-हॉस्पिटेलिटी मैनेजमेंट के चौथे सेमेस्टर की मुख्य परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं।

रकम दोगुनी करने का झांसा देकर करोड़ों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

धोखाधड़ी

> 8 आरोपित दो वर्ष से फरार चल रहा था। उस पर 18 से अधिक धोखाधड़ी के मुकदमे चल रहे हैं।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
निवेश के नाम पर रकम दोगुनी करने का झांसा देकर करोड़ों की ठगी करने वाले 51वें आरोपित को गाजीपुर, लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित दो वर्ष से फरार चल रहा था। उस पर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में 18 से अधिक धोखाधड़ी के मुकदमे चल रहे हैं।
इस संबंध में एसएसपी एसटी आयुष अग्रवाल ने बताया कि आपरेशन प्रहार के तहत अब तक 51 शातिर व खतरनाक अपराधी दबोचे गए हैं। इसी क्रम में 20 अक्टूबर को सीओ एसटीएफ सुमित पांडे ने एक टीम गठित की थी, जिसने 25 हजार के इनामी अपराधी विकास नाथ त्रिपाठी बहराइच को गाजी लखनऊ के होटल से गिरफ्तार किया है। ये लोग संगठित अपराध करते थे। कुछ साथियों के साथ मिलकर आरोपितों ने जेकेवी मल्टी क्रेडिट को आपरेटिव सोसायटी बनाई थी। उन्होंने बताया कि आरोपित पर उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार में सोसायटी की शाखाएं खोलकर करोड़ों की राशि का गबन किया गया।

एबीवीपी छोड़कर आर्यन छात्र संगठन से चुनाव लड़ेंगे नौटियाल

छात्र संघ चुनाव

> 8 पीजी कॉलेज के छात्र संघ चुनाव को लेकर छात्र संगठनों ने चुनावी सरगर्मियों को तेज कर दिया है।

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
आगामी चार नवम्बर को पीजी कॉलेज उत्तरकाशी के छात्र संघ चुनाव को लेकर छात्र संगठनों ने चुनावी सरगर्मियों को तेज कर दिया है।
शनिवार को आर्यन छात्र संगठन उत्तरकाशी ने रामचंद्र उनियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उत्तरकाशी में आगामी छात्र संघ चुनाव को सफल बनाने हेतु बैठक का आयोजन किया। इस दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्र नेता राहुल नौटियाल एवं उनके संपूर्ण समर्थकों सहित एक एबीवीपी का साथ छोड़ आर्यन छात्र संगठन का दामन थाम लिया है।
आर्यन छात्र संगठन उत्तरकाशी ने महाविद्यालय उत्तरकाशी में राहुल नौटियाल की कार्यशैली, छात्र हितों में संघर्ष एवं समर्पण को देखते हुए। आगामी छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद हेतु अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया गया।
बैठक में आर्यन छात्र संगठन उत्तरकाशी के शीर्ष नेतृत्व, दिपेन्द्र कोहली (पूर्व जिलाध्यक्ष), सचिन कठैत (जिला ध्यक्ष, दीपक भट्ट (जिला संरक्षक) एवं कोर-कमेटी (जगदीप कैंतुरा, केवल शाह, सुरेश राणा, मनजीत नेगी, राकेश नौटियाल, केशव जोशी, अजय कुमार, प्रवेश नौटियाल) तथा संपूर्ण आर्यन छात्र संगठन उत्तरकाशी ने आगामी छात्र संघ चुनाव में विजयी कराने का संकल्प लिया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

रेलवे बोर्ड द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार, मुरादाबाद मंडल ने पथरी रेलवे स्टेशन पर/उसके पास गति शक्ति मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनल के विकास के लिए निविदा आमंत्रित करने की सूचना (एनआईटी) प्रकाशित की है।

क्रम संख्या	स्टेशन	प्रोजेक्ट कॉस्ट	अर्नेस्ट मनी डिपाजिट	कॉस्ट ऑफ टेंडर डॉक्यूमेंट GST सहित	प्रे बिड कांफ्रेंस डेट एवं टाइम	निविदा पत्र जमा करने की तारीख व समय
1	Pathri (PRI)	Rs. 20,13,13,147.82	Rs. 2,01,31,400	Rs. 11,800	31.10.2023 at 11.00 am	06.12.2023

3299/23
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उ0रे0, मुरादाबाद, भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक व्यक्तियों से स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट हेतु आवेदन पत्र –

क्रम संख्या	1
मुरादाबाद मण्डल के NSG-6, रेलवे स्टेशनों पर, कम्प्यूटर द्वारा अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट का ठेका किये जाने हेतु निविदा पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। स्टेशनों के नाम इस प्रकार हैं– टोडरपुर, बाबूगढ़, महरौली, कुचेसररोड, दलपतपुर, मुड़ापाण्डे, उमराली, करना, मसीत, रामगनाबिज, खरखौदा, पुरैनी, मिलक, बॉगरमऊ मिश्रिकतीर्थ, माधोगंज, मल्लाँवा, हरथला, बंथरा, काकरिया, जलगाँव	
कार्यकाल	तीन व (03)
धरोहर राशि	NSG-6 धरोहर राशि रू 2000/–
निविदा प्रपत्र का मूल्य	प्रत्येक स्टेशन के लिए निविदा पत्र का मूल्य रू0 1180/–
स्थान का नाम व पता जहां से निविदा पत्र प्राप्त किये जायेंगे। वाणिज्य शाखा, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उ0रे0, मुरादाबाद से दिनांक 21.11.2023 को 17.00 बजे तक	
निविदा पत्र जमा करने का समय एवं तिथि तथा निविदा खुलने की तिथि एवं समय : निविदा फार्म को जमा करने की तिथि 22.11.2023 को 10.00 बजे से 14.00 बजे तक तथा खुलने की तिथि उसी दिन 15.00 बजे से।	
रेलवे की वेबसाइट का नाम जिससे पूर्ण नियम व शर्तें तथा निविदा का प्रारूप पत्र पर देखा व डाउनलोड किया जा सके। www.nr.indianrailways.gov.in वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उ0रे0, मुरादाबाद का कार्यालय का सूचनापट।	
निविदा सूचना संख्या:– 1–एसटीबीए–पीसीसी–2016 सी, दिनांक 20.10.2023	

3274/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आदि कैलाश यात्रा के लिए सुविधाएं और कनेक्टिविटी होगी मजबूत

देहरादून /टीम एक्शन इंडिया
अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने गढ़वाल एवं कुमाऊं क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए कार्य करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, पुल निर्माण से संबंधित प्रस्ताव शीघ्र केंद्र को भेजने के निर्देश दिए।
आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा पर आने वाले पर्यटकों के लिए सुविधाएं और कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए पर्यटन विभाग और आईटीबीपी के बीच एमओयू किया गया। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने पर्यटन विभाग को मानसखंड मंदिर माला मिशन की कार्ययोजना पर काम करने के निर्देश दिए।
शुक्रवार को सचिवालय में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को मानसखंड के मंदिरों व आदि कैलाश यात्रा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अधिकारियों के बैठक की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को गढ़वाल एवं कुमाऊं क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए कार्य करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, पुल निर्माण से संबंधित प्रस्ताव शीघ्र केंद्र को भेजने के निर्देश दिए।
बैठक में पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आदि कैलाश व ओम पर्वत की यात्रा के लिए बेहतर सुविधाएं व कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए आईटीबीपी के साथ एमओयू किया गया। केदारनाथ व हेमकुंड साहिब में प्रस्तावित रोपवे के लिए टेंडर हो चुके हैं।
पीएमओ से की जा रही मानीटरिंग
एसीएस ने विभागों को कागजी प्रक्रियाओं को कम से कम समय में पूरा करने की नसीहत दी है। उन्होंने विभागों की ओर से योजनाओं के कार्यवृत समय पर न मिलने नाराजगी जताते हुए कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने में तेजी से काम करने की जरूरत है। विभागों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पिथौरागढ़ दौरे पर जिन योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया है, उनकी मानीटरिंग पीएमओ से की जा रही है। वाईब्रेंट विलेज योजना के तहत राज्य के 51 गांव में विकास कार्यों की हर सप्ताह केंद्रीय गृह सचिव समीक्षा करेंगे। इन गांवों की अर्थव्यवस्था, आजीविका, सामाजिक संरचना, बुनियादी ढांचे, शिक्षा, बिजली और दूरसंचार सुविधाओं को मजबूत करने के लिए सभी विभागों को मिशन मोड पर कार्य करना होगा।
बैठक में सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिन कुर्वे, अपर सचिव विनीत कुमार, जितेंद्र कुमार सोनकर, निदेशक संस्कृति बीना भट्ट मौजूद थे।
एसीएस ने कहा कि राज्य में रिवर्स पलायन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के साथ स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

संघ की संस्कृति एवं मूल्यपरक भारत-दृष्टि

ललित गर्ग

"इस वजह से तमाम विकृतियां समाज में आ रही हैं। इसलिए परिवार व्यवस्था को बनाए रखने की आवश्यकता है। आज भारत को जानने की महती आवश्यकता है। भारत के बनने और भारत को बनाने को लेकर बड़ी चुनौतियां हैं, क्योंकि भारत को भारतीय दृष्टि से जानने वाले कम हैं। हमें भारत को जानने वाला ही नहीं बल्कि भारत को मानने वाला भी बनना है। भारत में कई आक्रांता आए लेकिन भारत को समाप्त नहीं कर पाए, क्योंकि भारतीय समाज बहुकेन्द्रित व्यवस्थाओं पर चलता रहा। हालांकि अंग्रेजों को थोड़ी मात्रा में सफलता मिली और अंग्रेजी आक्रमण से प्रभावित हुए हैं, यही कारण है कई शिक्षित लोग भी भ्रमित हो जाते हैं। आज भी उस भाव से पीछे नहीं आए हैं। भैयाजी ने कहा कि देश को आगे ले जाने में विद्वान, रक्षा करने वाले, उद्योग धंधे चलाने वाले, नियमित श्रम करने वाले सभी लोगों का योगदान है। भिन्न भिन्न शक्तियां के योगदान से हजारों वर्षों से हमारा समाज चलता आया है"

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, दिल्ली ने विभिन्न धार्मिक संगठनों, सेवा-संस्थानों एवं कार्यकताओं की सामाजिक सद्भाव संगोष्ठी का आयोजन कर भारत की ज्वलंत समस्याओं पर सार्थक बहस का एक अनूठा उपक्रम किया। नये मध्यप्रदेश भवन, चाणक्यपुरी में हुए इस आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यकारणी के सदस्य भैयाजी जोशी के उद्बोधन से जहां राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर संघ का विचार एवं दृष्टिकोण विभिन्न धर्म के प्रतिनिधियों के सामने आया वहीं विभिन्न धर्मों एवं संस्थानों से जुड़े लोगों के चिन्तन से संघ भी अवगत हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास में कुछ ऐसे विरल व्यक्तित्व हुए हैं, जिनमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह, महामंत्री आदि अनेक जिम्मेदारियों का निर्वाह करने वाले भैयाजी जोशी भी हैं, उनकी विरलता या महत्ता के प्रमुख मानक हैं- सशक्त राष्ट्रीयता, हिन्दुत्व और लोकहितकारी प्रवृत्तियां।

राष्ट्रीयता को संवाद का आधार बनाते हुए इस संगोष्ठी में सुरेश भैयाजी जोशी ने जहां विभिन्न धर्मों एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों के विचार सुने, वही उन्होंने कहा कि देश के विकास में आज सबसे बड़ी बाधा संस्कारहीनता का भाव है। लोग दूसरे देशों या संस्कृति से खुद को हीन समझने लगे हैं। भारत को जापान, चीन अमेरिका जैसे दूसरे देशों का अनुकरण करने के बजाय भारत को भारत रहने की आवश्यकता है। देश के युवाओं को संस्कार हीनता को छोड़कर संस्कृति, भाषा, जीवनमूल्य, विचार आदि के लिए जागरूक होना होगा। युवा पीढ़ी को समझना होगा कि विश्व कल्याण का मार्ग भारत से होकर ही निकलेगा। संघ मानता है कि वैचारिक मतभेद होने के बाद भी एक देश के हम सब लोग हैं और हम सबको मिलकर इस देश को बड़ा बनाना है। इसलिए इस संवाद की गहरी प्रासंगिकता एवं उपयोगिता है। समय-समय ऐसे विचार-संवाद आयोजित करने के लिये संघ प्रतिबद्ध है।

सामाजिक सद्भाव गोष्ठी में संघ के कार्यक्रमों की विशद चर्चा से यह तथ्य उभर कर सामने आया कि संघ का काम व्यक्ति निर्माण का है। व्यक्ति से समाज एवं समाज से राष्ट्र निर्मित होता हैं। समाज में आचरण में परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। यह स्वावलंबी पद्धति से, सामूहिकता से चलने वाला काम है। संघ भारत के

शाश्वत मूल्यों को मजबूत और विश्वसनीय बनाना चाहता है ताकि निर्माण का हर क्षण इतिहास बने। नये एवं सशक्त भारत का निर्माण हो, जिसका हर रास्ता मुकाम तक ले जाये। सबकी सबके प्रति मंगलभावनाएं मन में बनी रहे। राष्ट्रीयता के ईमान को, कर्त्तव्य की ऊंचाई को, संकल्प की दृढ़ता को और मानवीय मूल्यों को सुरक्षित रखने के लिये "सामाजिक सद्भाव" के रूप में भैयाजी जोशी ने फिर आह्वान किया है कि आओ, फिर एक बार जागें, संकीर्णता, संस्कारहीनता एवं स्वार्थ की दीवारों को ध्वस्त करें। जोशी ने देश में आज संस्कारहीनता से ग्रस्त होने की चुनौती को दूर करने के लिए परिवार, संगठनों के साथ सभी को प्रयास करने की आवश्यकता व्यक्त की। जोशी ने स्वदेश में बनी वस्तुओं के उपयोग की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, "हम आधुनिकता के विरोधी न बनें। लेकिन आर्थिक नजरिये से किसी मुल्क के गुलाम भी न बनें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फोर लोकल को बढ़ावा देने के आह्वान की चर्चा करते हुए चीनी सामान का बहिष्कार कर स्वदेशी वस्तुओं का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किये जाने की अपेक्षा पर बल दिया। भारतीय बाजारों पर चीन लगातार कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। हमें ऐसा होने से रोकना होगा इसलिये चीनी वस्तुओं का बहिष्कार कर इन्हें अपने जीवन से दूर किया जाना चाहिये। सीमा पार से होने वाली घुसपैठ तो हमारी सेना के जवान रोक लेंगे। लेकिन हम नागरिकों को भारत के बाजारों में चीन की घुसपैठ रोककर देश को आर्थिक गुलामी से बचाना होगा। इसके लिये हमें अपने मन के साथ आचरण में भी स्वदेशी भाव जगाना होगा।

भैयाजी जोशी के अनुसार हिंदू चिंतन में अधिकार शब्द का कोई स्थान नहीं है। हिंदू चिंतन संस्कार, आचरण, करणीय कार्य और कर्तव्यों की बात करता है। यह चिंतन हमें "मैं" से निकालकर "हम" की ओर ले जाता है। "मैं" से "हम" होते ही सभी की पीड़ा हमारी पीड़ा बन जाती है। आपसी सौहार्द के संबंध कानून से नहीं बल्कि भावनात्मक लगाव के कारण चलते हैं। भारतीय समाज का चिंतन है कि मानव की जीवन शैली परस्पर संबंधों के आधार पर विकसित हुई। भारत की जीवन शैली सकारात्मक सोच वाली है, जो अच्छाई के लिए प्रेरित करती है। मातृ शक्ति एवं वृद्धों का आदर करने का स्वभाव परिवार के प्रत्येक सदस्य में होना चाहिए। आज परिवार टूट रहे हैं। इस वजह से तमाम विकृतियां समाज में आ रही हैं। इसलिए परिवार व्यवस्था को बनाए रखने की आवश्यकता है। आज भारत को जानने की महती आवश्यकता है। भारत के बनने और भारत को बनाने को लेकर बड़ी चुनौतियां हैं, क्योंकि भारत को भारतीय दृष्टि से जानने वाले कम हैं। हमें भारत को जानने वाला ही नहीं बल्कि भारत को मानने वाला भी बनना है। भारत में कई आक्रांता आए लेकिन भारत को समाप्त नहीं कर पाए, क्योंकि भारतीय समाज बहुकेन्द्रित व्यवस्थाओं पर चलता रहा। हालांकि अंग्रेजों को थोड़ी मात्रा में सफलता मिली और अंग्रेजी आक्रमण से प्रभावित हुए हैं, यही कारण है कई शिक्षित लोग भी भ्रमित हो जाते हैं। आज भी उस भाव से पीछे नहीं आए हैं। भैयाजी ने कहा कि देश को आगे ले जाने में विद्वान, रक्षा करने वाले, उद्योग धंधे चलाने वाले, नियमित श्रम करने वाले सभी लोगों का योगदान है। भिन्न भिन्न शक्तियां के योगदान से हजारों वर्षों से हमारा समाज चलता आया है। उन्होंने शिक्षा के व्यवसायीकरण और कला के विकृत रूप पर चिंता प्रकट करते हुए कहा कि भारत में विद्या बेचने का नहीं दान का विषय रहा है। जीवन की शिक्षा देने वाला ज्ञान होना चाहिए। आज शिक्षा व्यापार हो गया है। देश में कला का श्रेष्ठ स्थान रहा है लेकिन इसके माध्यम से समाज में प्रदूषण फैलाया जा रहा है, इसे ठीक करने की आवश्यकता है। इसी तरह धर्म का भी भारतीय समाज में बड़ा महत्व रहा है। उन्होंने कहा कि हम भाग्यशाली हैं। हमने भारत में जन्म लिया। यहां जन्म लेने मात्र से हम प्राचीन संस्कृति और परंपराओं के वाहक बन गए। यह सौभाग्य किसी दूसरे देश में जन्म लेने वाले व्यक्ति को नहीं मिला है। निश्चित ही भैयाजी जोशी का उद्बोधन न केवल राष्ट्रीय बल्कि सामाजिक एवं धार्मिक महत्व का रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों का उल्लेख करते हुए संघ सोच को एक बार फिर से स्पष्ट किया है। उन्होंने देश के समग्र एवं त्वरित विकास के लिये जनसंख्या नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण की नीति पर जोर दिया है। संघ की नजरों में धर्मांतरण और घुसपैठ से जनसंख्या का संतुलन बिगड़ा है और देश का विकास बाधित हुआ है, जोशी ने इन समस्याओं से निपटने और उनके खिलाफ जनमत का निर्माण करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत के प्रति पूरी दुनिया का भरोसा बढ़ा है। भारत की ताकत बढ़ी है। दुनिया में भारत की आवाज सुनी जा रही है। दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा और साख बढ़ी है और आत्मनिर्भर भारत की आहट सुनाई दे रही है। उन्होंने बच्चों को संस्कारवान बनाने के लिए स्कूलों, कालेजों पर निर्भरता की बजाए घरों और समाज के वातावरण को स्वस्थ बनाने का संदेश दिया। निश्चित ही जोशी उद्बोधन कोई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। यह तो भारत को सशक्त एवं विकसित बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है। संघ एक जागरूक संगठन है और हर समस्या पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।

संपादकीय

भारत के मन में रमते हैं श्रीराम

भारत में विजयपर्व का उल्लास है। दिक्काल उत्सवधर्म से आच्छादित हैं। श्रीराम की लंका विजय की तिथि दो दिन बाद है। भारत का मन आनंद मगन हो रहा है। श्रीराम मंगल भवन हैं और अमंगलहारी। वे भारत के मन में रमते हैं। मिले तो राम राम, अलग हुए तो राम राम। राम का नाम हम सब बचपन से सुनते आए हैं। वे धैर्य हैं। सक्रियता हैं। परम शक्तिशाली हैं। भाव श्रद्धा में वे ईश्वर हैं। राम तमाम असंभवों का संगम हैं। मर्यादित आचरण के शिखर हैं। रामकथा के सभी प्रसंग मनभावन हैं। प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरक प्रसंग हैं। युद्ध में विजय की इच्छा रहती है। संसार तमाम संघर्षों से भरा पूरा है। भारतीय चिंतन में काम-क्रोध-लोभ को भी शत्रु बताया गया है। सांसारिक अंतर्विरोधों को शत्रु कहा गया है। रामचरितमानस (लंका काण्ड) में कहते हैं कि, 'संसार शत्रु को दृढ निश्चयी रथ पर बैठ कर ही जीता जा सकता है।' रामचरितमानस (लंकाकाण्ड) में विजयश्री प्राप्ति के लिए एक सुंदर रथ का प्रतीक है। युद्ध शुरू होने को था। रावण रथ पर था। राम पैदल थे। यह देखकर विभीषण भावुक हुए। तुलसीदास ने लिखा, 'रावनु रथी बिरथ रघुबीरा। देखि बिभीषन भयउ अधीरा।' विभीषण ने राम से कहा कि आपके पास न रथ है न कवच है। आप विजयश्री कैसे पाएंगे। श्रीराम ने कहा विजय श्री दिलाने वाला रथ दूसरा है। शौर्य और धैर्य उस रथ के पहिये हैं। सत्य और शील की पताका है। बल, विवेक और इन्द्रिय निग्रह उस रथ के घोड़े हैं। घोड़े क्षमा की डोरी से रथ से जुड़े हुए हैं। ईश्वर भक्ति सारथी है। वैराग्य ढाल है। संतोष तलवार है। मन तरकश है। नीयम बाण हैं। श्रद्धा कवच है। तुलसी लिखते हैं, 'महा अजय संसार रिपु, जीति सकइ सो बीर। जाकें अस रथ होई दृढ़, सुनहु सखा मति धीर-जिसके पास ऐसा रथ है, इस संसार में वही विजय श्री पाता है।' श्रीराम प्रतिदिन प्रतिपल उपास्य हैं। विजयादशमी व उसके आगे पीछे श्रीराम के जीवन पर आधारित श्रीराम लीला के उत्सव पूरे देश में होते हैं। श्रीराम भारत बोध में तीनों लोकों के राजा हैं। त्रिलोकीनाथ हैं। भारत व भारत के बाहर भी इंडोनेशिया आदि देशों में भी श्रीराम लीला होती है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की रामलीला विख्यात है। वाराणसी देश की सांस्कृतिक राजधानी है। यहां की रामलीला दर्शनीय है। पूरे देश में रामलीला की परंपरा है। दुनिया के किसी भी देश में एक ही समयावधि में हजारों स्थलों पर ऐसे नाटक मंचन नहीं होते। रामलीला में आनंद रस का प्रवाह है। रामलीला के रूप लगातार बदल रहे हैं। यों सभी कलाएं मनोरंजन करती हैं। रामलीला मनोरंजन नहीं है। सभी नाटकों की एक कथा होती है। कुछ इतिहास से भी जुड़ी रहती है। लेकिन रामलीला की कथा काल्पनिक नहीं है। यह सत्य कथा है, प्रेरक है। मयार्दा इस ऐतिहासिक कथानक का केन्द्रीय विचार है। मूल रूप में नाटकों में भाव प्रवणता नहीं होती। नाटक का लेखक भाव अंश डालता है। नाटक के पात्र भाव प्रवणता का सृजन करते हैं। राम कथा के सभी पात्र भाव प्रवण हैं। इतिहास में हैं। संस्कृति में हैं। हम सब राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघन, हनुमान, सुग्रीव आदि के प्रति आदर भाव से भरे पूरे हैं। राम कथा हमारे अंतरंग में रची बसी है। हम सहस्त्रों वर्ष से रामलीला के दरश परस में राम रसायन का पान करते आए हैं। रामरसायन में आश्वस्ति है। रामलीला पुरातन राम कथा का पुरश्चरण है। यह कथा पुरातन है, नित्य नूतन है। रामलीला सिर्फ नाटक नहीं है।

कविता

तेरे नाम के आगे अपना नाम लगा
लेते है लोग,

तेरे नाम के आगे अपना नाम लगा लेते है
लोग,
इस कदर भी बेमेल जोड़ी बना लेते है लोग।

इतनी धूप, रोशनी है जमाने में यहाँ,
कैसे नकली चेहरा छुपा लेते है लोग

फकीर चला विश्वास से पत्थरों पर,
पहाड़ों में भी राह बना लेते हैं लोग।

दिलों में कालिख है जिन जनाबों के,
कैसे सफेदी का मुखौटा लगा लेते है लोग।

आज शहर में भयानक उजाला है सूरज का,
ऐसे में अपने म्लान मनसूबे कैसे छुपा लेते है
लोग।

अब उन्हें पहचानना मुश्किल है संजीव,
चेहरों पर नया मुखौटा लगा लेते हैं लोग।

संजीव ठाकुर

जीवन-दर्शन का साक्षात्कार कराता: देवी कवच

मार्कण्डेय पुराण में दुर्गा कवच का वर्णन है। इसमें आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के अंतर्गत बताये गये मानव शरीर के लगभग सभी महत्वपूर्ण बाह्य और आंतरिक संरचनाओं का उल्लेख है। इतना ही नहीं इसमें शरीर क्रिया विज्ञान के साथ विभिन्न गुणों का भी वर्णन है जो मानव की प्रकृति और व्यवहार को निर्धारित करते हैं।यह कवच शरीर की सभी रचनात्मक एवं क्रियात्मक इकाइयों की चिंता करते हुए स्वस्थ रहने के लिए उनकी रक्षा और देखभाल की सलाह देता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी दीघार्यु के लिए, स्वस्थ/ रोग मुक्त जीवन यापन के लिए शारीरिक संरचना तथा कार्यिकी में प्रत्येक संरचनाओं के महत्व को प्रतिपादित करता है। मेरी दृष्टि में देवीय कवच के अनुसार भी शरीर की सभी संरचनात्मक एवं क्रियात्मक रचनाओं की सुरक्षा के साथ सामंजस्य का परिणाम ही निरोगी स्वस्थ काया है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए देवी कवच में शरीर की बाहरी और आंतरिक संरचना के लिए किसी एक देवी का उल्लेख न करते हुए प्रत्येक संरचना की रक्षा के लिए अलग-अलग देवियों का वर्णन है अथार्त मनुष्य को स्वस्थ और दीघार्यु जीवन के लिए शरीर की प्रत्येक संरचना पर ध्यान दे कर उसकी सुरक्षा/देखभाल के लिए उचित प्रयास करना चाहिए।

देवी कवच में मस्तक के लिए उमा,ललाट के लिए मालाधारी, भौंहों के लिए यशस्विनी, भौंहों के मध्य भाग के लिए त्रिनेत्रा, नथुनों के लिए यमघंटा, नासिका के लिए सुगन्धा, ऊपर के ओंठ के लिए चर्चिका, नीचे के ओंठ के लिए अमृतकला, जिह्वा के लिए सरस्वती, दांतों के लिए कौमारी,कण्ठप्रदेश के लिए चण्डिका,कण्ठ के बाहरी भाग के लिए नीलग्रीवा, कण्ठ की नली के लिए नलकूबरी,गल-घंटी के लिए चित्रघण्टा,तालू के लिए महामाया, ठोढ़ी के लिए कामाक्षी, वाणी के लिए सर्वमंगला, ग्रीवा के लिए भद्रकाली, दोनों कंधों के लिए खड्गिनि, दोनों भुजाओं के लिए वज्रधारणी, दोनों हाथों के लिए दण्डली, उंगलियों के लिए अम्बिका, नखों के लिए शूलेश्वरी, कुक्षि (पेट) के लिए कुलेश्वरी, दोनों स्तनों के लिए महादेवी, नाभि के लिए कामिनी,लिंग के लिए पूतना और कामिका,गुदा के लिए महिषवाहिनी,कटि के लिए भगवती, घुटनों के लिए विन्ध्वासिनी,पिण्डलियों के लिए महाबला, दोनों घुट्टियों के लिए नारसिंही, दोनों चरणों के पृष्ठभाग के लिए तैजसी, पैरों की उंगलियों के लिए श्रीदेवी, पैरों के तलुओं के लिए तलवासिनी, पैरों के नखों के लिए दष्ट्राकराली, केशों के लिए ऊर्ध्वकेशिनी,रोमावलियों के छिद्र के लिए कौबेरी, त्वचा के लिए वागीश्वरी, मूलाधार के लिए पद्मावती, नख के तेज के लिए ज्वालामुखी, शरीर की समस्त संधियों के लिए अमेद्यादेवी, आदि से रक्षा की याचना की गई है। इसी कवच में शरीर के आंतरिक अंगों में पृष्ठ वंश (मेरुदंड) के

विचार

शौर्य एवं शक्ति जागरण का पर्व है दशहरा

ललित गर्ग

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन दशहरा का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व बुराइयों से संघर्ष का प्रतीक पर्व है, यह पर्व देश की सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीयता को नवऊर्जा देने का भी पर्व है। आज भी अंधेरों से संघर्ष करने के लिये इस प्रेरक एवं प्रेरणादायी पर्व की संस्कृति को जीवंत बनाने की जरूरत है। प्रश्न है कौन इस संस्कृति को सुरक्षा दे? कौन आदर्शों के अभ्युदय की अगवानी करे? कौन जीवन-मूल्यों की प्रतिष्ठापना मे अपना पहला नाम लिखवाये? बहुत कठिन है यह बुराइयों से संघर्ष करने का सफर। बहुत कठिन है तेजस्विता एवं शक्ति जागरण की यह साधना। बहुत जटिल है स्व-अस्तित्व एवं स्व-पहचान को ऊंच शिखर देना। आखिर कैसे संघर्ष करें घर में छिपी बुराइयों से, जब घर आंगण में रावण-ही-रावण पैदा हो रहे हो, चाहे भ्रष्टाचार के रूप में हो, चाहे राजनीतिक अपराधीकरण के रूप में, चाहे साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने वालों के रूप में हो, चाहे राष्ट्र को तोड़ने वाले आतंकवाद के रूप में हो, चाहे शिक्षा, चिकित्सा एवं न्याय को व्यापार बनाने वालों के रूप में। यह उत्सव प्रतिवर्ष मनाते हुए जहां शक्ति की कामना की जाती है, वहीं राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों की ओर ध्यान खींचा जाता है। इससे नई प्रेरणा, नई ताजगी, नई शक्ति एवं नई दिशाएं मिलती है।

नवरात्रि के बाद आने वाला दशहरा का पर्व हिन्दुओं का बेहद ही खास पर्व है, यिह हर साल दिपावली के पर्व से 20 दिन पहले आता है। दशहरा राक्षसों के राजा रावण पर भगवान श्रीराम की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। लोग दशहरा को दस दिनों तक श्रीराम एवं रावण के बीच हुए युद्ध को नाटक के रूप में जगह-जगह मंचित करते हैं। इस नाटकीय रूप को राम-लीला कहा जाता है। उत्तर भारत में लोग मुखौटे पहनकर और विभिन्न नृत्य रूपों के माध्यम से राम-लीला का आयोजन करते हैं, साथ ही इसका लुत्फ भी उठाते हैं, हिन्दू संस्कृति को संगठित करने का माध्यम बनाते हैं। रामायण के छंदों का पालन करते हुए, वे रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण जैसे तीन बड़े राक्षसों के विशाल आकार के पुतले बनाते हैं। इसके बाद पुतलों को जलाने के लिए उनमे विस्फोटक पदार्थ भरा जाता है और जमकर आतिशबाजी की जाती है।

भगवान श्रीराम सच्चाई के प्रतीक है और रावण बुराई की शक्ति का। देवी दुर्गा के पूजा के साथ हिन्दू लोगों के द्वारा यह महान धार्मिक उत्सव और दस्तूर मनाया जाता है। इस पर्व को पूरे देश में मनाने की परंपरा और प्रक्रियां अलग-अलग है। भगवान श्रीराम युद्ध की देवी मां दुर्गा के भक्त थे, उन्होंने युद्ध के दौरान पहले नौ दिनों तक मां दुर्गा की पूजा की और दसवें दिन दुष्ट रावण का वध किया। इसके बाद श्रीराम ने भाई लक्ष्मण, भक्त हनुमान, और बंदरों की सेना के साथ एक बड़ा युद्ध लड़कर सीता को छुड़ाया। इसलिए विजयादशमी बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अंधकार पर प्रकाश का एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण दिन है। इस दिन रावण दहन के साथ ही अस्त्र, वाहन पूजन और मां दुर्गा, प्रभु श्रीराम, गणपति देव के पूजन की भी परंपरा है। इसके अलावा विजयदशमी को विजया तिथि कहा गया है। मान्यता है कि यह दिन मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए बेहद शुभ होता है।

दशहरे का सांस्कृतिक पहलू भी है। यह देश की सांस्कृतिक एकता और अखण्डता को जोड़ने का पर्व भी है। इस वर्ष का विजयादशमी पर्व इसलिये विशेष है, क्योंकि इस पर्व की सकारात्मक क्रांतिकारी ऊर्जा से न केवल राष्ट्र में सक्रिय नकारात्मक एवं अराष्ट्रीय ताकतों को सख्त संदेश दिया जाना है बल्कि पडौसी पाकिस्तान-चीन आदि देशों की कुचेष्टाओं के लिये ललकारा एवं सावधान भी किया जाना है। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष मनाने के बाद राष्ट्र को शताब्दी वर्ष के लिये सशक्त किया जाना है। मूलभूत आस्थाओं एवं राष्ट्रीयता के दृढ़ीकरण के साथ देश में जो नई चेतना आई है, वह एक शक्तिशाली नेतृत्व का जीवंत साक्ष्य है। राष्ट्रीयता, स्व-पहचान, स्वदेशी-भावना, हिन्दू-संस्कृति के ऊर्जा के अक्षय स्त्रोतों की खोज में जो प्रयत्न किया जा रहा है, वह अभूतपूर्व है। जन-आकांक्षा के अनुरूप राष्ट्र को जिस युगीन परिवेश में प्रस्तुति दी जा रही है, वह असाधारण है।

दशहरा शक्ति की साधना, कर्म, नवसृजन एवं पूजा का भी पर्व है। पिछले आठ दशकों में लगातार हिन्दू-संस्कृति को कमजोर करने की राजनीतिक चालें होती रही है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

राष्ट्रगान का सम्मान

एक दिन सुबह-सुबह मेरा एक स्कूल के सामने से गुजरना हुआ। जिसमें प्राथना का समय हो रहा था। वह से जब में गुजर रही थी, उसी समय वहां जन-गण-मन का गान बच्चों द्वारा शुरू किया गया। मैंने उस समय एक हैरान करने वाली तस्वीर देखी। जिसे मैं देश के सम्मान की तस्वीर कहूंगी, क्यूंकि वहां मैंने देखा सड़क से गुजरता एक बच्चा जो किसी अन्य स्कूल का छात्र था। वह किसी अन्य स्कूल में बजने वाले जन-गण-मन को सुनकर वहां रूककर अपने देश को सम्मान दें रहा था। समान्य तौर पर बच्चे केवल डर या प्रार्थना सभा का एक हिस्सा समझकर जन-गण-मन के समय खड़े रहने का कष्ट करते है। इसी के साथ मैंने एक ओर व्यक्ति को देखा जो बाईक पर था। जिसे उस स्कूल के बाहर से गुजरने में एक मिनट से भी कम का समय लगता। वह व्यक्ति राष्ट्रगान के बोल सुनकर वहां खड़ा हो गया। यह तस्वीर देख मुझे यहीं विचार आया। क्या यह उसी देश के वासी है। जहां वंदे मातरम का सम्मान या तो कानून की नोक पर या फिर डर के आधार पर कराया जाता है। आखिर क्यूं नहीं यह तस्वीर एक सामान्य तस्वीर जैसी हमें बनकर नहीं मिल सकती है। ऐसा आखिर क्यूं है कि हम अपने देश का सम्मान नहीं करते। अपने ही देश के राष्ट्रीय गीत को सम्मान देने में हमें पता नहीं क्यूं शर्म का अनुभव होता है। फिल्में देखने के लिए बड़े-बड़े सिनेमा घरों में जाना हम सभी चाहते है किंतु वहां बजते वंदे मातरम के स्वर पर हम चंद मिनट खड़े होना या तो अपने धर्म का अपमान समझ बैठते है या फिर शर्म का अनुभव कर बैठते है। ना जाने क्यूं हमारे मन में ऐसे विचार आते है ना कि यह विचार आए कि हमारा देश हमें जीवन देता है। नागरिक होने का सम्मान और अधिकार देता है। हमें अपने देश के सम्मान के लिए राष्ट्रगीत और राष्टगान पर खड़े होना चाहिए। उनको सम्मान देना हमारा कर्तव्य नहीं शौभाग्य है। अपने परिवार की तरह काश अपने देश और अपनी देश की हर चीज से भी प्रेम हो जाएं।

सरकारी तोपों का कारनामा

डॉ. सुरेश कुमार

एक जमाना था जब सरकारें आती ही जाने के लिए थीं। सरकार तोप ने सिर्फ दो काम किये थे। वसूली और बुत खड़े करना। बुत खड़ा करना दीर्घवर्षीय योजना का हिस्सा था। विकास कार्य एकदम ठहर गए, समस्याएँ सुरसा हो गईं, गरीब ज्यादा गरीब हो गए। अगली सरकार आयी। उसके संकल्प थे- पिछली सरकार से दोगुनी कमाई करना और दोगुने बुत बनवाना। प्रतियोगिता प्रदेश के विकास को लेकर नहीं, घूस और बुत को लेकर सरकार ने चौराहों पर, पार्कों में, फुटपाथों पर, ओनो-कोनों में सार्वजनिक भवनों के सामने और भीतर भी इतने बुत बनवा डाले कि महापुरुषों की किल्लत पड़ गयी। तब उसने मृत छुटभइयों के बुत खड़े करने शुरू कर दिये। बुत टन-दो-टन हैसियत वालों के नहीं, किलो-दो किलो हैसियत वाले, अनजाने, अनचीन्हे, अबूझ, अनाम भूतों तीसरी सरकार आयी। उसका संकल्प पिछली सरकार से तिगुनी कमाई करना और तिगुने बुत बनवाना था। सरकार जितनी ऊपरी कमाई करती थी, उसी अनुपात से बुत बनवाती थी यानी बुत की गणना कर ऊपरी कमाई का अंदाज लगाया जा सकता था या यों कहें ऊपरी कमाई की जानकारी होने पर बुतों का अंदाज लगाया जा सकता था। अंकगणित बहुत आसान। सरकार का चाल-चरित्र-चिंतन ऐसा कि लोगों में भय व्याप्त हो गया। जाने कब गोली मारकर कह दिया जाए कि 'अमुक जी' ने देश-समाज के लिए शहादत दी है और जीता-जागता व्यक्ति किसी चौराहे, पार्क, ओने-कोने या सार्वजनिक भवन में बुत में तब्दील हो जाए। लोग अंधेरे-उजेले निकलने में घबराने लगे। बुत देखकर काँप जाते कल मेरा भी यही हश्र न हो। कुछ बात तो है मोमिन जो छा गयी खामोशी, किसी बुत को दे दिया दिल जे बुत बन गए। सरकार जीवित व्यक्तियों के लिए कुछ न करती, पर मृत व्यक्तियों की प्रतीक पूजा के लिए सदैव तत्पर रहती। वह लोगों से कहती, 'बुतों को देखो, इनसे प्रेरणा ग्रहण करो।' लोग कहते, 'हमें बुत के भूत नहीं रोटी चाहिए। हमारी खुद की जिंदगी बुत सरीखी हो गयी है।' सरकार कहती, 'रोटी? यह तो बहुत सामान्य चीज है।

न्यूज फ्लैश

पुलिस ने चोरी की बाइक सहित एक युवक को किया गिरफ्तार

गन्नौर। बड़ी थाना पुलिस ने एक बाइक चोर को चोरी की बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया। आरोपित रोहित निवासी राजलूगढ़ी गांव का रहने वाला है। जानकारी अनुसार बड़ी थाना पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना पर राजलूगढ़ी-राजपुर रोड से एक बाइक सवार युवक को काबू किया। बाइक पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी थी। जब पुलिस ने बाइक के कागज मांगे तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। जांच करने पर सामने आया कि रोहित की कब्जे से मिली बाइक चोरी की है। जिसका मुकदमा थाना कैराना में दर्ज हुआ मिला। जिसके बाद पुलिस ने आरोपित रोहित को गिरफ्तार लिया।

बड़ी थाना में शिकायत फाड़ कर पुलिस कर्मियों के साथ हाथापाई, चार के खिलाफ मामला दर्ज

गन्नौर। बड़ी थाना में शिकायत फाड़ कर पुलिस कर्मियों के साथ हाथापाई करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में थाना बड़ी पुलिस ने दो महिलाओं सहित चार के खिलाफ सरकारी काम बाधा डालने, शिकायत फाड़ने, सरकारी कर्मियों से मारपीट करने के आरोप में दो महिलाओं सहित चार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी देते हुए जांच अधिकारी एएसआई सतीश कुमार ने बताया कि 3 अक्तूबर को बड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव से बालिका की गुमशुदगी की शिकायत थाना बड़ी में प्राप्त हुई थी। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और जांच अधिकारी हवलदार दिनेश ने बालिका की तलाश शुरू कर दी थी। इस बीच 19 अक्टूबर को गुमशुदा बालिका की तरफ से एक शिकायत थाना बड़ी में प्राप्त हुई। जिसमें बालिका ने बताया कि उसके स्वजन उसे प्रताड़ित करते हैं। जिसके बाद जांच अधिकारी हवलदार दिनेश ने इस शिकायत के बारे में बालिका के स्वजन को फोन पर अवगत करवाया। जिसके बाद बालिका का मां अपने भाई, रिश्तेदार व एक अन्य औरत के साथ थाना में पहुंची और जांच अधिकारी से शिकायत ले कर मोबाइल से फोटो उतारने लगे। जब जांच अधिकारी ने ऐसा करने से मना किया तो बालिका की मां ने तैश में आ कर शिकायत शिकायत को फाड़ दिया और चिल्लाने लगी। जब आवाज सुनकर महिला पुलिस कर्मी एएसआई सीमा ने उन्हें समझाने का प्रयास किया तो आरोपितों ने सीमा व उसके साथ हाथापाई व गाली गालौच किया। जिसके बाद बाकी पुलिस कर्मियों ने मौके पर पहुंच कर बीच बचाव करवाया। एएसआई सतीश कुमार ने बताया कि पुलिस ने शिकायत पर दो नामजद समेत चार के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

निसान ने दिल्ली-एनसीआर में मजबूत किया अपना नेटवर्क

नोएडा: निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने आज दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में अपने नेटवर्क का विस्तार करने का एलान किया। कंपनी ने इस क्षेत्र में तीन नए टचपॉइंट खोले हैं, जिनमें 2 शोरूम और 1 सर्विस वर्कशॉप है। चैनल पार्टनर ब्राइट निसान के साथ मिलकर नोएडा और पटपड़गंज में ये टचपॉइंट खोले गए हैं। नए सेल्स एवं सर्विस कस्टमर टचपॉइंट भारतीय बाजार एवं यहां के अपने बहुमूल्य ग्राहकों के प्रति निसान की गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। निसान मोटर इंडिया के एमडी श्री राकेश श्रीवास्तव ने आज नए ब्राइट निसान शोरूम का उद्घाटन किया। नए टचपॉइंट्स की लॉन्चिंग के मौके पर निसान मोटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री राकेश श्रीवास्तव ने कहा, 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) निसान के लिए महत्वपूर्ण बाजार है। यहां नए कस्टमर टचपॉइंट खोलने की हमें खुशी है। इससे इस बढ़ते बाजार में निसान के लिए प्रोडक्ट्स एवं सर्विसेज को लेकर ग्राहकों की बढ़ती उम्मीदों को पूरा करना संभव होगा। अत्याधुनिक डीलरशिप इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रशिक्षित स्टाफ हमारे ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने में सक्षम होंगे।' नोएडा में कुल 3,200 वर्गफीट क्षेत्र में नया ब्राइट निसान शोरूम खोला गया है। वहीं नोएडा में ही अत्याधुनिक ब्राइट निसान सर्विस वर्कशॉप को 28,000 वर्गफीट से ज्यादा क्षेत्र में बनाया गया है। इसका फ्रंट गेट 100 फीट से ज्यादा है। इनके अलावा, पटपड़गंज में खोला गया नया ब्राइट निसान शोरूम कुल 1,900 वर्गफीट में फैला है। इसका फ्रंटगेट 40 फीट का है। नए कस्टमर टचपॉइंट्स में सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यहां जानकार, प्रशिक्षित और उत्साही स्टाफ तथा सेल्स एंड सर्विस प्रोफेशनल्स हैं, जो ग्राहकों को सुगमता से कार खरीदने में मदद करेंगे। साथ ही उनका ऑनरशिप एक्सपीरियंस भी शानदार होगा। वैश्विक स्तरीय और सही मूल्य वाले प्रोडक्ट्स के साथ ग्राहकों को अनूठा अनुभव देने की प्रतिबद्धता के साथ निसान ने हाल ही में निसान मैग्नाइट फैमिली में दो नए मॉडल जोड़े हैं। इनमें मैग्नाइट ईजेड-शिफ्ट को शानदार इंट्रोडक्टरी कीमत पर लॉन्च किया गया है। 10 नवंबर, 2023 तक इस मॉडल को ग्राहकों के लिए 6,49,900 रुपये (एक्स-शोरूम) में उपलब्ध कराया जा रहा है।

परिवार पहचान पत्र में सुधार के लिए कैंप आयोजित

सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए परिवार पहचान पत्र जरूरी : मंत्री ओम प्रकाश

टीम एक्शन इंडिया/संजय शर्मा

नारनौल। सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए परिवार पहचान पत्र जरूरी है। इसलिए किसी भी परिवार की फैमिली आईडी में कोई त्रुटि है तो उसको ठीक करवाएं ताकि उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। यह बात सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओम प्रकाश यादव ने आज सीताराम मैरिज पैलेस में आयोजित पीपीपी समस्या समाधान कैंप में लोगों की समस्याएं सुनते हुए कही।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओम प्रकाश यादव ने कहा कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का निष्पक्ष लाभ मिले इसी उद्देश्य से परिवार पहचान पत्र शुरू किया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की 136 योजनाएं इस पीपीपी पोर्टल से जुड़ी हुई है। जाति-प्रमाण पत्र, इनकम सर्टिफिकेट, मैरिज सर्टिफिकेट, बच्चों की स्कॉलरशिप योजना, बुढ़ापा पेंशन, विवाह योजना व स्वयं सहायता समूह जैसी प्रमुख योजनाएं हैं जो पोर्टल पर बिना किसी फाइल के आवेदन किया जा सकता है और उसके फोन पर रसीद उपलब्ध होती है। अब किसी कार्यालय में चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होती। चंडीगढ़ से स्पेशल अधिकारियों की टीम ने परिवार पहचान पत्र में त्रुटियों को ठीक किया। कैंप में पिता का नाम, माता का नाम, दिव्यांग, जन्मतिथि, मैरिटल स्टेटस, आय, स्पाउस का नाम, शैक्षणिक योग्यता आदि सभी प्रकार की त्रुटियों को ठीक किया गया। वहीं शिविर में यह बात सामने आई कि समूचे जिले के लोगों की उपस्थिति होते हुए लोगों में धक्का मुक्की का दौर चल पड़ा । अनेकों बार मंचासिन लोगों को बीच बचाव करते हुए व्यवस्था सुधारने की अपील करते देखा गया। वहीं लोगों ने इस बात को लेकर मंत्री की सराहना भी की कि चलो किसी ने तो जिलावासियों की समस्या पर गौर फरमाया और इस तरह के आयोजन की ज़िम्मेदारी संभाली।

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में शुरू हुआ तीन दिवसीय यूनिफेस्ट

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में आयोजित तीन दिवसीय यूनिफेस्ट का शुभारंभ बतौर मुख्यातिथि सांसद रमेश कौशिक ने किया। इस दौरान उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है जो बहुत ही नेक एवं जरूरी कार्य है। जिस तरह से पढ़ाई जरूरी है उसी तरह से अपनी संस्कृति से अवगत होना भी जरूरी है। सांसद ने कहा कि सोनीपत हरियाणा का एजुकेशन हब है और शिक्षा के क्षेत्र में हमारे विद्यार्थी हमेशा अव्वल रहते हैं। इसके साथ ही खेलों में जहां पूरे देश के 50 प्रतिशत मेडल अकेला हरियाणा लाता है वहीं हरियाणा के 50 प्रतिशत अकेला सोनीपत लाता है। उन्होंने कहा कि सोनीपत का विकास गुडगांव की तर्ज पर होगा। जिस तरह से राष्ट्रीय राजमार्ग का जाल सोनीपत में बिछ रहा है वो क्षेत्र को प्रगतिशील बना रहा है। इस अवसर पर डॉ० महा सिंह पूनिया ने बताया कि कुरुक्षेत्र में स्थापित धरोहर के लिए उन्होंने 15 साल में 6 लाख किलोमीटर का सफर किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कल्चर, एग्रीकल्चर से है। धरोहर को आज तक 106 देशों के प्रतिनिधि मंडल देख चुके हैं । डॉ० पुनिया ने कहा कि कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले रत्नावली उत्सव में भगत फूल सिंह महिला विवि की प्रस्तुति हमेशा लाजवाब होती है।

रूक्मिणी देवी स्कूल में नदारद मिले अधिकारी को एसडीएम ने जारी किया नोटिस

टीम एक्शन इंडिया/राई।

संयुक्त पात्रता परीक्षा (सीईटी) ग्रुप-डी की परीक्षा के नोडल अधिकारी एसडीएम निर्मल नागर की जांच में रूक्मिणी देवी पब्लिक स्कूल में जैमर की जांच पर लगाए ड्यूटी ऑफिसर एसडीओ रजित गैर-हाजिर पाए गए। इस पर नोडल अधिकारी ने ड्यूटी से नदारद मिले अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। साथ ही उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि जिन अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी परीक्षा में लगाई है उसे पूर्ण ईमानदारी व कर्मठता से निभाएं। लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जिला में आयोजित करवाई जा रही हरियाणा सामान्य पात्रता परीक्षा(सीईटी) ग्रुप-डी की लिखित परीक्षा को शांतिपूर्वक एवं नकलरहित सम्पन्न करवाने के दृष्टिगत परीक्षा के जिला नोडल अधिकारी एवं एसडीएम निर्मल नागर तथा एसडीएम अमित कुमार ने शनिवार को परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए वहां की व्यवस्थाएं जांची। इस दौरान उन्होंने जीडी गोयनका, डीपीएस, देव षि सकूल, ओरचीड इंटरनेशनल स्कूल तथा दीन बंधू छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल में बनाएं गए परीक्षा केन्द्रों का भी निरीक्षण किया।

जी डी गोयनका के परीक्षा केन्द्र में नाक की नथनी निकालने में महिलाएं को हुई परेशानी , कमीसन से की पहने रखने की मांग

संयुक्त पात्रता परीक्षा (सीईटी) ग्रुप-डी की परीक्षा में सुबह की शिफ्ट में परीक्षा केन्द्र में सोने के आभूषण पहनकर जाने की कमीशन द्वारा रोक गलाने के कारण जी डी गोयनका स्कूल में आई महिला परीक्षार्थियों को नाक से नथनी निकालने में दिक्कत झेलनी पड़ी और वे कमीशन को कोसती नजर आई और कहा कि बताओं नथनी में भी क्या छूपाकर ला सकते है।

वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा रविवार को कार्यकर्ता सम्मेलन में करेंगे शिरकत

पानीपत/कमाल हुसैन

वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा रविवार को पानीपत में जनसभा को संबोधित करेंगे। आम आदमी पार्टी के सह सचिव सुखबीर सिंह मलिक ने जानकारी देते हुए बताया कि रामलीला ग्राउंड वाली गली में दोपहर 3:00 बजे वार्ड होशियार सिंह द्वारा डाबर कॉलोनी, वार्ड नंबर 6, कुटानी रोड के पास पहलवान चौक पर कार्यकर्ता सम्मेलन होगा। दूसरा कार्यक्रम शाम 5:00 बजे गांव बडौली में होगा। इसमें आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा नए सदस्यों की जॉइनिंग कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। उन्होंने कहा कि इस दौरान आम आदमी पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी से जनसभा में पहुंचेंगे।

सफलता के लिए इच्छा शक्ति चाहिए और इच्छा शक्ति के लिय उत्साह: त्यागी

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर

भारत विकास परिषद् गन्नौर शाखा की ओर से शनिवार को मदर प्राइड स्कूल में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन आयोजित किया। जजपा के हल्का प्रधान अनिल त्यागी ने बतौर मुख्यातिथि व भारत विकास परिषद् के सुभाष शर्मा क्षेत्रीय सेवा शिक्षा के संयोजक ने बतौर मुख्य वक्ता कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम में आए शिक्षकों व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अनिल त्यागी ने कहा कि सफलता के लिए इच्छा शक्ति चाहिए और इच्छा शक्ति के लिय उत्साह, इस सबको पाने के लिय श्रेष्ठ गुरु के मार्गदर्शन की आवश्यता हैं। अतः आप अपने जीवन में गुरु का अनुसरण करे। सुभाष शर्मा ने अपने उद्बोधन में बताया कि परिषद का मुख्य उद्देश्य भारत की प्राचीन गुरू शिष्य परम्परा को आगे बढ़ाते हुए विद्यार्थियों में अपने माता पिता के प्रति आदर व सम्मान व गुरूजनों के प्रति श्रद्धा का भाव

जागृत करना है। शाखा अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा व पूर्व अध्यक्ष योगेश कौशिक ने बताया कि सेवा और संस्कार आज के युग की आवश्यकता हैं। शाखा सचिव अंकित त्यागी ने बताया कि खण्ड के विभिन्न विद्यालयों से आए 30 प्रतिभावान विद्यार्थियों को परिषद् की ओर से पारितोषिक दिया गया एवं उनका सम्मान कर अभिनंदन किया गया। अंकित त्यागी एडवोकेट ने बताया कि कार्यक्रम में 30 शिक्षकों का परिषद की और स्मृति चिन्ह भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया । कार्यक्रम में विद्यार्थियों शिक्षकों सहित नागरिकों द्वारा सामूहिक शपथ भी ली कि वे अपने माता .पिता, गुरुजनों व नारी . जाति एवं बड़ों का सदैव सम्मान करेंगे। शाखा अध्यक्ष राजेन्द्र कौशिक, डॉ दीपचंद गर्ग,समुद्र मलिक,तरुण प्रताप त्यागी,कृष्ण जिंदल, राजकुमार अग्रवाल,गौरव शर्मा, महिला संयोजिका मनीषा जैन,डॉ आभा गर्ग , रजनी जैन, निशा कौशिक, एडवोकेट नेहा त्यागी, दीपिका जिंदल, नीलम अग्रवाल ,काजल सिंघल ,काजल जैन आदि सदस्य शामिल रहे।

थरया व डबरपुर गांव में कूड़ा उठान के लिए दोनो पंचायतों को देवा सोसाइटी ने दी ई रिक्शा

हलके के लोगों की समर्पित भाव से काम करने के लिए तैयार : कादियान

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर।

देवा सोशल वेलफेयर सोसायटी गन्नौर के संस्थापक देवेंद्र कादियान ने कहा कि उनका जीवन हलके की जनता के लिए समर्पित है। हलके के लोगों के लिए वे हर समय समर्पित भाव से काम करने के लिए तैयार है। कहा कि समाजसेवा की भावना से वे काम कर रहे है और लोगों का आए दिन बढ़ रहा समर्थन उनका और ज्यादा काम करने का हौसला दे रहा है। समाजसेवी देवेंद्र कादियान ने शनिवार को थरया व डबरपुर गांव की चौपाल में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को

संबोधित करते हुए कही। कादियान ने इन दोनों गांवों को एक-एक ई-ऑटो रिक्शा भेंट की गई। ताकि गांव में घर-घर से कूड़ा का उठाव किया जा सके। गन्नौर की सभी पंचायतों में इसे लागू किया जाना है। इसको लेकर देवा वेलफेयर सोसायटी द्वारा गांवों में ई-रिक्शा वितरित की जा रही है। इससे पहले यहां पर पहुंचने पर कादियान का ग्रामीणों ने फूलमाला व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया है। देवेंद्र ने कहा कि अपने स्तर पर तो वे समाजसेवा के कार्य कर रहे है लेकिन कुछ काम ऐसे है जो बिना राजनीतिक शाक्ति के नहीं किए जा सकते। जैसे गलियों-सड़कों का निर्माण, बिजली, पानी आदि विकास कार्यों के लिए राजनीति ताकत का होना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जीवन की एक ही तमन्ना है जितनी भी समाज की सेवा कर सकूं उतनी ही कम है। अगर जनता ने उनके हाथ मजबूत किए राजनीतिक शक्ति मिलने पर वे गन्नौर में विकास करवाते हुए एक अलग पहचान दिलाने का कार्य करेंगे। वहीं, वहीं, ग्रामीणों ने समाजसेवी देवेंद्र कादियान द्वारा किए जा रहे कामों की सराहना की और भरोसा दिलाया कि वे लोगों का भला करने वाले का साथ देंगे। मौके पर थरया सरपंच फरमान, सुनील प्रधान, राज सिंह, जिले सिंह, जमशेद, यासीन राणा, काला नंबरदार, डा. मेजर, जसबीर सरपंच चटिया, नरेश, यूसुफ नंबरदार, हरिराम, दयानंद, दयाचंद आदि मौजूद रहे।

राजकीय स्कूल के सभी छात्रों को आंतिल ने जर्सी वितरित कर शिक्षा के प्रति प्रेरित किया

राई। राजकीय माध्यमिक पलड़ा स्कूल में शिक्षा के क्षेत्र में स्कूली बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए आंतिल बाराहा खाप के प्रधान जयभगवान आंतिल पहुंचे और स्कूल के सभी बच्चों को वर्दी देकर सम्मानित किया है। इस दौरान गांव की तरफ से शामिल हुए सम्मानित बुजुर्गों ने जयभगवान आंतिल की मुहिम की सराहना की है। स्कूल के सभी बच्चों को वर्दी देकर शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हुए समाजसेवी जयभगवान आंतिल ने कहा कि क्षेत्र के स्कूली बच्चे खेलों के साथ-साथ शिक्षा के में भी अव्वल आ रहे हैं। अभी हाल ही में आयोजित हुई स्कूली खेल प्रतियोगिताओं में क्षेत्र के स्कूली बच्चों ने कई स्पधाओं में क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की मुहिम से स्कूल में अनुशासन की पालना होती है और बच्चों में एकता का परिचय नजर आता है। इस अवसर पर स्कूल की मुख्याध्यापिका सुनील राणा व गांव के प्रधान मनोज कुमार ने जयभगवान आंतिल की मुहिम की सराहना की। इस अवसर पर सुरेन्द्र, नवीन, अजीत, सुनील, संजय, सतीश, प्रदीप व मोनू आदि मौजूद थे।

टाटा सॉल्ट ने विश्व आयोडीन अल्पता दिवस मनाया

टीम एक्शन इंडिया/गुरुग्राम

भारत में आयोडाइज्ड नमक उद्यम में 1983 से पायनियर और मार्केट लीडर रही टाटा सॉल्ट ने वैश्विक समुदाय के साथ मिलकर, 21 अक्टूबर को विश्व आयोडीन अल्पता दिवस मनाया। बच्चों के दिमागी विकास में आयोडीन की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाने और दुनिया भर में, खास कर बच्चों में आयोडीन की कमी की चुनौती पर प्रकाश डालने के लिए यह दिवस तय किया गया है। इस मिशन के तहत हाल ही में टाटा सॉल्ट ने एक एड्वर्टाइजिंग कैम्पेन शुरू किया जिसमें नामचीन एक्ट्रेस रुपाली गांगुली ने काम किया है। इस कैम्पेन वीडियो में रुपाली गांगुली कहती है - "विश्वास जीता जाता है और मैं सिर्फ टाटा सॉल्ट पर भरोसा करती हूं, क्योंकि इसमें सही मात्रा में आयोडीन है।

महाकाली मंदिर बड़ी में नवरात्रों के सातवें दिन उमड़ी भक्तों की भीड़

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर।

क्षेत्र में नवरात्रों के चलते बाजार में खूब चहल-पहल है और लोगों ने नवरात्रों से जुड़े व दुर्गा माता की अराधना की सामग्री की दिनभर खरीददारी करते नजर आते हैं। नवरात्रों की शुरूआत को लेकर लोगों में पूरा जोश देखा गया। वहीं मंदिर भी फूलों व बिजली के प्रकाश के साथ सजे हुए हैं। जीटी रोड बड़ी गांव के निकट स्थित महाकाली मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो जाती है और यह सिलसिला देर रात तक जारी रहता है।

शनिवार के दिन मंदिर में श्रद्धालुओं को तांता लग गया। काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंच कर मां काली व मां दुर्गा के सातवें स्वरूप कालरात्रि की पूजा अर्चना की और अपने परिवार सुख समृद्धि का कामना की। मंदिर के महंत मंशापुरी महाराज ने बताया कि दुर्गा जी का सातवां स्वरूप कालरात्रि है। इनका रंग काला होने के कारण ही इन्हें कालरात्रि कहते हैं। असुरों के राजा रक्तबीज का वध करने के लिए देवी दुर्गा ने अपने तेज से इन्हें उत्पन्न किया था। मां की भक्ति से दुष्टों का नाश होता है और ग्रह बाधाएं दूर हो जाती हैं।

अष्टमी पर जागरण व नवमी पर होगा भंडारा

मंदिर के महंत मंशापुरी महाराज ने बताया कि 22 अक्टूबर को अष्टमी के अवसर पर बड़ी महाकाली मंदिर में जागरण का आयोजन रात्रि 9 बजे किया जाएगा। जागरण का शुभारंभ महंत मुख्यारपुरी महाराज व समाजसेवी अनुज सहरावत ज्योत प्रचंड करेंगे।

परीक्षा केन्द्र का उपायुक्त व एसडीएम ने किया परीक्षा केंद्र का दौरा

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर।

उपायुक्त डा. मनोज कुमार व एसडीएम निर्मल नागर ने शनिवार को सीसीएस जैन सीनियर सैकेंडरी स्कूल व कालेज में बने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाएं संतोषजनक मिली। उपायुक्त ने कहा है कि परीक्षा को शांतिपूर्वक और बिना किसी बाह्य हस्तक्षेप के करवाने और परीक्षा देने आने वाले परीक्षार्थियों के सुगम आवागमन के लिए स्थानीय प्रशासन व पुलिस ने पुख्ता प्रबंध किए हैं। परीक्षा केंद्रो में जैमर व सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की गई है। सभी परीक्षा केंद्रो ड्यूटी मैजिस्ट्रेट लगाए हैं। परीक्षा केंद्र में आने वाले छात्रों के

रुकने की व्यवस्था भी प्रशासन द्वारा की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से चल रही हैं। छोटी मोटी शिकायतें कुछ परीक्षा केंद्र से मिली जिनका निपटान कर दिया गया। इससे पहले एसडीएम डा. निर्मल नागर ने भी सीसीएस जैन सीनियर सैकेंडरी स्कूल, प्रयास इंटरनेशनल स्कूल, जेपी डीएवी पब्लिक स्कूल, रौनक पब्लिक स्कूल, हैप्पी चाइल्ड इंटरनेशनल स्कूल में बने परीक्षा केंद्रो का निरीक्षण वहां की व्यवस्थाओं को जांचा।

छात्र के पास मिले इलैक्ट्रिक यंत्र को उतरवाया

परीक्षा केंद्रो पर गेट के बाहर सुरक्षा कर्मचारी तैनात है। सुरक्षा कर्मचारियों ने शुरूआती गेट पर जांच के बाद ही परीक्षार्थी को आगे भेजा। महिलाओं के रबर बैंड और जूतें उतरवाकर भी तलाश ली गई। इसी प्रकार से पुरुष परीक्षार्थियों की भी जांच की गई। सीसीएस जैन सीनियर सैकेंडरी स्कूल परीक्षा केंद्र में जांच के दौरान एक छात्र के पास इलैक्ट्रिक यंत्र भी मिला। जिसे उतरवाकर बाहर फैंकवाया गया। उसके बाद ही उसे परीक्षा केंद्र में जाने से अनुमति मिली। वहीं एक हाथ से दिव्यांग को भी परीक्षा केंद्र में अपने साथ सहायक ले जाने नहीं दिया गया।

दिव्यांग के पास सहायक के लिए अनुमति नहीं थी, जिसके चलते उसे स्वंय ही परीक्षा देनी पड़ी।

प्रसिद्ध अभिनेत्री निर्मल ऋषि ब्रांड एंबेसडर के रूप में हीलिंग हॉस्पिटल से जुड़ीं

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत

पूरी तरह से एक अलग सहभागिता करते हुए हीलिंग हॉस्पिटल चंडीगढ़ ने गर्व से जानी मानी और प्रसिद्ध अभिनेत्री, निर्मल ऋषि को अपने सम्मानित ब्रांड एंबेसडर के तौर पर अपने साथ जोड़ा है। हीलिंग हॉस्पिटल, चंडीगढ़ मरीजों की बेहद सहजता से और उनके रोग की गंभीरता को समझते हुए काफी अच्छे से देखभाल करता है।

हीलिंग हॉस्पिटल, चंडीगढ मरीजों की विश्वस्तरीय केयर प्रदान करने के लिए समर्पित है और इसी लक्ष्य

को हासिल करने के लिए निर्मल ऋषि का साथ लिया गया है। इस साझेदारी का उद्देश्य न केवल उनकी विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, बल्कि अद्वितीय समर्पण के साथ समुदाय की सेवा जारी रखते हुए उपचार की संस्कृति का प्रोत्साहित करना भी है।

अपने विचार व्यक्त करते हुए, निर्मल ऋषि ने कहा कि ह्यह्यमैं हीलिंग हॉस्पिटल चंडीगढ़ के इस सेवाभाव मिशन के लिए प्रतिबद्ध हूं।

ऑफिस में इन 5 आसान तरीकों से कर सकते हैं वर्कआउट

वजन होगा कम और फिटनेस रहेगी बरकरार

आमतौर पर ज्यादातर वर्किंग लोग समय की कमी के कारण वर्कआउट नहीं कर पाते। ऐसे में डेस्क जॉब होने की वजह से उनका वजन तेजी से बढ़ने लगता है। लेकिन फिट रहने के ऐसे कई उपाय हैं, जिन्हें ऑफिस में भी फॉलो किया जा सकता है। आइए, जानते हैं आप ऑफिस में हल्का-फुल्का वर्कआउट कैसे कर सकते हैं-

हेल्दी ब्रेकफास्ट

आप सुबह ऑफिस जाने से पहले अपना हेल्दी ब्रेकफास्ट रात में ही डिसाइड कर लें कि आप कल क्या ले जाने वाले हैं। आप चीला, ऑमलेट, पोहा, उबले अंडे, बड़ा जैसी हेल्दी चीजें ट्राई कर सकते है। ऑफिस में चिप्स खाना, स्नैक्स खाते रहने से परहेज करना चाहिए।

ड्रिंक का रखें खास ख्याल

लगातार पानी पीते रहना हमारे वजन को नियंत्रित करने में बड़ी भूमिका निभाता है। इसका मतलब ओवर ड्रिंकिंग से बिल्कुल नहीं है, लेकिन आपको जरूर इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपने दिनभर में कितना पानी पिया। ज्यादा नहीं तो कम से कम हर डेढ़ घंटे में एक ग्लास पानी जरूर पिएं।

फिटनेस फ्रीक सर्कल

आपकी ऑफिस टीम में सभी न सही लेकिन कुछ लोग तो ऐसे होंगे, जो अपनी फिटनेस को लेकर सजग होंगे। उन लोगों को खोजें और उनके साथ अपने ऑफिस जिम या ऑफिस के आस-पास किसी जिम को ज्वॉइन करें।

बैठने के तरीके पर ध्यान दें

आपकी सेहत में आपके बैठने का तरीका बहुत बड़ा रोल अदा करता है। कई घंटे गलत तरीके से बैठने से वेट भी बढ़ता है और शरीर में दर्द संबंधी बीमारियां भी। बीच-बीच में कुर्सी से उठते रहें और कुछ कदम चलते-फिरते रहें।

खाने के बाद 5 मिनट जरूर टहलें

आप खाने के बाद वॉक पर नहीं जाते, जिसका सबसे ज्यादा असर आपकी फिटनेस पर पड़ता है। खाना खाते ही डेस्क पर बैठकर काम करने से आपके पेट की चर्बी बढ़ती है।

लिपस्टिक लगाते वक्त कहीं आप तो नहीं करतीं ये गलतियां

महिलाओं के बैग में मेकअप किट हो या न हो, लेकिन एक लिपस्टिक तो जरूर रहती है। एक लिपस्टिक महिलाओं की खूबसूरती पर चार चांद लगाने का काम करती है. यदि इसे ठीक तरह से होंठों पर न लगाया जाए तो यह आपकी खूबसूरती पर ग्रहण भी लगा सकती है। आइए, जानते हैं कि लिपस्टिक लगाने का सही तरीका क्या है।

- लिपस्टिक लगाने से पहले ये जांच लें कि आपके होंठ रूखे या फटे न हों वरना दरारों के बीच स्किन कलर आपकी खूबसूरती बिगाड़ देगा। ऐसे में रूखे होंठों पर पहले लिप बाम या ग्लसरीन जरूर लगाएं, उसके बाद ही लिपस्टिक इस्तेमाल करें।
- लिपस्टिक लगाने से पहले लिप पेंसिल से गहरे रंग का आउटलाइन या शेड बना लें. इससे होंठों का आकार उभरकर आएगा और फिर आपकी लिपस्टिक ज्यादा आकर्षक दिखेगी।
- लिपस्टिक का केवल एक ही कोट लगाएंगे तो वह जल्दी हल्की पड़ जाएगी। लिपस्टिक के कम से कम दो-तीन कोट तो जरूर लगाएं। दूसरा, लिपस्टिक का इस्तेमाल अपनी स्किन के कलर को ध्यान में रखकर करना भी जरूरी है.
- लिपस्टिक का एक कोट लगाने के बाद होंठों पर उंगलियों से हल्का सा पाउडर लगाएं, ऐसा करने से लिपस्टिक पूरी तरह सेट हो जाएगी. इसके बाद अगर आपको लग रहा हो कि लिपस्टिक हल्की लग गई है, तो एक कोट और लगा सकती हैं।

रेसिपी

रोटी रोल

सामग्री

- बची हुई रोटियां
- उबला आलू
- उबली मटर
- कसा हुआ पनीर
- बारीक कटी हुई शिमला मिर्च
- बारीक कटा एक प्याज और टमाटर
- हरे धनिया की चटनी
- टमैटो सॉस
- जीरा ■ चाट मसाला, मक्खन

विधि

पैन में बटर डालकर जीरे को सुनहरा होने तक भूनें। जीरा भुन जाने के बाद उसी पैन में प्याज भून लें। उसके बाद टमाटर, मटर और शिमला मिर्च भी भून लें। सब्जियों के भुन जाने के बाद उसमें पनीर, स्वादानुसार नमक और चाट मसाला डालें। अब रोटी रोल की फिलिंग तैयार है। अब दूसरे पैन को गर्म करने के बाद उसमें 1 टीस्पून बटर डालें। रोटी पर धनिया की चटनी और टमैटो सॉस फैला लें। उस पर तैयार किया हुआ भरावन रखने के बाद रोटी को धीरे-धीरे रोल कर लें। उसके बाद उस पर धागा या कोई और चीज बांध दें। पैन में रोटी को शैलो फ्राई कर लें। रोटी रोल के हल्का गुलाबी होने के बाद उसे प्लेट में निकाल लें। और मजे से स्वाद लेते हुए खाएं।

ऑरेंज रसमलाई

■ फुल क्रीम दूध- 3 लीटर ■ विनिगर- 2 चम्मच ■ फ्रेश ऑरेंज जूस- 1 कप ■ संतरे का कद्दूकस किया छिलका- 1 चम्मच ■ ऑरेंज पल्प- 3 चम्मच ■ अरारोट- 2 चम्मच ■ बेकिंग सोडा- चुटकी भर ■ चीनी- 1-1/2 + 1/2 कप ■ पानी- 5 कप ■ ऑरेंज एसेंस- 4 बूंद ■ ऑरेंज फूड कलर- 1/4 चम्मच ■ बारीक कटे मेवे- गार्निशिंग के लिए

विधि

ऑरेंज रसमलाई बनाने के लिए सबसे पहले पनीर बनाएं। पनीर बनाने के लिए पैन में दो लीटर दूध उबाल लें। जब दूध उबलने लगे तो उसमें ऑरेंज जूस, संतरे का कद्दूकस किया छिलका और विनिगर डालकर मिलाएं। दूध तुरंत फट जाएगा। गैस तुरंत बंद कर दें। तीन से चार मिनट के बाद दूध को सूती कपड़े की मदद से छान लें। कपड़े में पनीर को बांधकर लटका दें ताकि पनीर से सारा पानी निकल जाए। जब पनीर तैयार हो जाए तो एक दूसरे पैन में बचे हुए एक लीटर दूध को मध्यम आंच पर आधा हो जाने तक पकाएं। जब दूध की मात्रा आधी हो जाए तो उसमें आधा कप चीनी, चुटकी भर ऑरेंज कलर और ऑरेंज एसेंस मिलाएं। उसमें अरारोट पाउडर व चुटकी भर ऑरेंज कलर डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। पनीर को पंद्रह से बीस मिनट तक अच्छी तरह से गूंद लें। जब पनीर बहुत मुलायम हो जाए तो उससे छोटी-छोटी लोई काट लें और उसे गोल आकार दे दें। प्रेशर कुकर में पानी और डेढ़ कप चीनी डालकर उबालें। जब चीनी घुल जाए तो कुकर में पनीर के तैयार बॉल्स की आधी मात्रा डालें। कुकर बंद करके दो सीटी लगाएं। पनीर के बॉल्स को अब कुकर से निकालकर तैयार दूध में डाल दें। अब उसी चाशनी में पनीर के बचे हुए बॉल्स डालें और अब रसमलाई तैयार है। अब इसे फ्रिज में कम-से-कम पांच से छह घंटे तक रखें। बारीक कटे मेवे से सजा कर पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): शैक्षिक कार्य आसानी से पूरे होते होंगे। स्वास्थ्य उत्तम होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद होगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। दिन के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पूरा कर लेने का दिन है। ''आगे-आगे गोरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। उचित कार्य सफल होंगे। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 2624

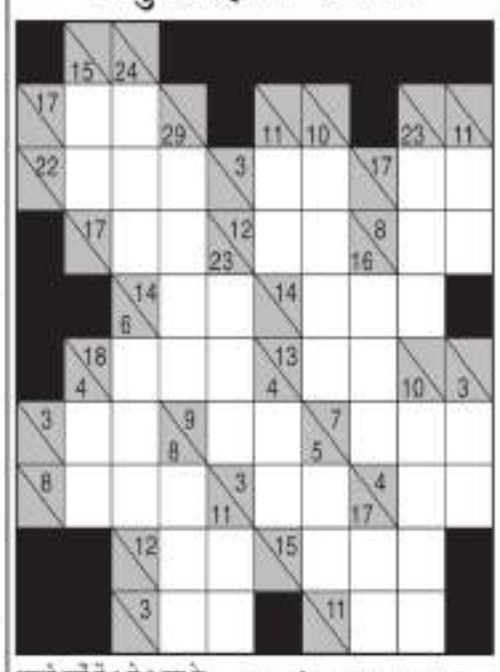

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 2623 का हल

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2624

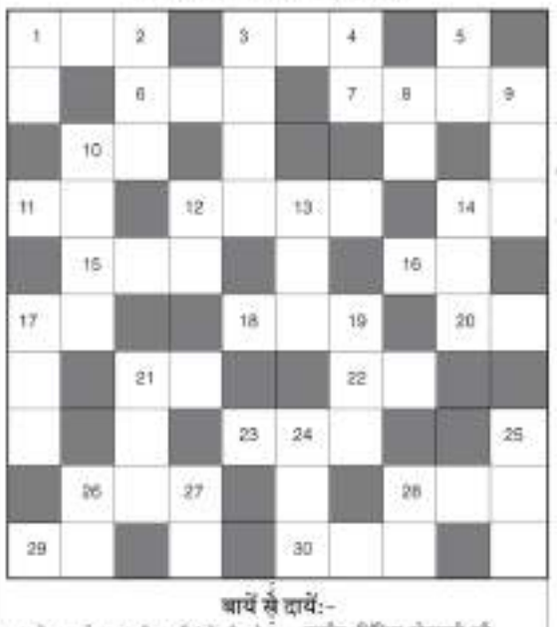

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राकेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नायिका' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अगस्त' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, विविध गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'तौबा ये भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-३
२१. आमिर, माधुरी की 'खुबे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तो दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'उजयाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, शायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध कव्वाली 'आओ चलों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का है?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैयां' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-३
२. 'गवाह है चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सब कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-३
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली फलक सक्सेनी, नूतन की फिल्म-३
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली परमजीत सेठ, पूनम की फिल्म-३
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, साधना की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५. 'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'मैंने तो महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2623

सूडोकु -2624

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2623 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 2624

बाएँ से दाएँ

1. राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4. उदासता, खालीपन-4
7. भोजन, खाद्य पदार्थ-2
8. प्रहरी, रक्षा करने वाला-3
9. अपशिष्ट पदार्थ-2
10. कामदेव, चंद्रमा-4
11. नाड़ी, नस-2
13. जबरन, जबरदस्ती-3
14. वायदा, वचन-2
15. भवन, आलय-3
17. आर्द, तुल-2
19. खजानागाह, असामगाह, सोने का कमरा-5
22. उद्देश्यहीनता-5
25. परिणाम-2
26. अंजन, नेत्रांजन-3
28. सांझ, संध्या-2
29. अधीन-3
30. निश्चिन्त-2
32. निहायत, सर्वाधिक-4
34. बेईमान, सेंधमार-2
36. दाम, मूल्य-3
37. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38. मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39. अश्रु, आंसू-5

ऊपर से नीचे

1. स्वर्ण, कनक-2
2. गुजर करना-3
3. धैर्यवान-3,2
4. राशिचक्र की एक राशि-3
5. आंशिक भीगा हुआ-2
6. सामंजस्य-4
7. खाकसार, फेंकना-5
10. चुनाव, वोटिंग-4
12. दुख, कष्ट-2
16. यज्ञ, होम-3
17. कमरा, रूम-2
18. उम्मीद, आस-2
20. जुड़वा-3
21. प्याला-2
22. हृदय, हार्ट-2
23. निकृष्टतर-4
24. बलवान, दमदार-5
25. स्वदेशवासी-5
26. आलसी, निठल्ली-4
27. बुरी आदत-2
31. भरोसा, विश्वास-3
33. आंचल, पल्लू-3
35. अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37. समय, वक्त-2

शब्द पहेली -2623 का हल

ऑस्ट्रेलियाई ने पाकिस्तान को 62 रन से हराया

बेंगलुरु। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को बेंगलुरु के मैदान पर क्रिकेट विश्व कप 2023 के तहत ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 62 रनों से धूल चटा दी। पाकिस्तान की यह चार मैचों में दूसरी हार है। इसी के साथ वह प्वाइंट टेबल में 5वें स्थान पर आ गई है। उनके आगामी मुकाबले दक्षिण अफ्रीका, इंगलैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ हैं, ऐसे में उनका सेमीफाइनल की ओर बढ़ना मुश्किल लग रहा है। बहरहाल, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। ऑस्ट्रेलिया ने मिशेल मार्श (121) और डेविड वार्नर (163) के शतकों की बदौलत पाकिस्तान को 368 रन का लक्ष्य दिया। पाकिस्तान ने ओपनिंग जोड़ी के कारण मजबूत शुरूआत की लेकिन मध्यक्रम में साझेदारी न हो पाने के कारण 62 रन से मैच गंवा लिया।

इससे पहले डेविड वार्नर (163) और मिचेल मार्श (121) के बीच 259 रन की साझीदारी हुई तो ऐसा लग रहा था कि आस्ट्रेलिया 400 रन बना लेगा लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। इससे पहले पाकिस्तान के स्ट्राइक बॉलर शाहीन शाह अफरीदी ने अपने दूसरे स्पेल मे एक ही ओवर में मार्श और नए बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल को लगातार दो गेंदों पर आउट कर अपनी टीम की वापसी की। इससे न सिर्फ रनो की रफ्तार पर अंकुश लगा बल्कि विकेटों का पतन भी शुरू हो गया और बाकी खिलाड़ी टीम के स्कोर में 108 रन का इजाफा ही कर सके।

अफरीदी ने आस्ट्रेलिया के 5 बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। आस्ट्रेलिया ने आखिरी के 3 ओवरों में 4 विकेट गंवाए और स्कोर में मात्र नौ रन का इजाफा हो सका। रनो से भरी पिच पर आस्ट्रेलिया की सलामी जोड़ी की दोहरी शतकीय साझीदारी के पीछे पाकिस्तान का लचर क्षेत्ररक्षण भी एक बड़ी वजह बना। डेविड वार्नर को दो जीवनदान

मिले जबकि मार्श का भी एक कैच पाकिस्तान के क्षेत्ररक्षकों ने टपकाया। अफरीदी ने 54 रन देकर 5 विकेट झटके जबकि हारिस रउफ ने 83 रन लुटा कर 3 खिलाड़ियों को आउट किया। उस्मा मीर को स्टीव स्मिथ का विकेट मिला हालांकि अपने नौ ओवरों में उन्होंने 82 रन खर्च किए। वार्नर ने 124 गेंदो की पारी में 14 चौके और 9 छक्के लगाए। यह विश्व कप करियर में उनका 5वां शतक था। विश्व कप में सर्वाधिक सात शतक लगाने का रिकार्ड भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के पास है। मिचेल मार्श ने दस चौको और नौ छक्कों के साथ अपना पहला शतक पूरा किया। जवाब में खेलने उतरी पाकिस्तान टीम ने जोरदार शुरूआत की। ओपनर अब्दुल शफीक और इमाम उल हक ने पाकिस्तान का 16.4 ओवर में स्कोर 100 पार करवाया। इस दौरान दोनों बल्लेबाज लय में दिखे। शफीक 61 गेंदों पर 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से 64 रन बनाकर आऊट हुए। उन्हें स्टोइनिस ने मैक्सवेल के हाथों कैच आऊट कराया। कप्तान बाबर आजम ने जमने की कोशिश की लेकिन ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने एक बेहतरीन गेंद पर उन्हें कमिंस के हाथों कैच आऊट करवा दिया। बाबर 14 गेंदों पर 18 रन ही बना सके। इसके बाद आए साऊद शकील ने 31 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 30 रन बनाए। उन्हें कमिंस ने स्टोइनिस के हाथों कैच आऊट कराया। इसके बाद मोहम्मद रिजवान ने एक छोर संभालकर रन बनाने शुरू कर दिए। इफ्तिखार अहमद ने 20 गेंदों पर 26 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से अकेले मोहम्मद रिजवान ही निडर क्रिकेट खेलते दिखे। ऑस्ट्रेलियाई तेज और स्पिन गेंदबाजी को अच्छे से खेला। लेकिन 41वें ओवर में वह अपनी लय खो बैठे। जीतने के लिए जब 90 से ज्यादा रन चाहिए था तो रन गति बढ़ाने के चक्कर में रिजवान ने ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा की गेंद पर शॉट मारनी चाही लेकिन वह गेंद पूरी तरह मिस कर गए। अंपायर ने उन्हें विकेट के सामने पाकर पगबाधा आऊट दे दिया। हालांकि रिजवान ने डीआरएस लिया लेकिन फैसला उनके पक्ष में नहीं आया। रिजवान के आऊट होने के बाद उसमान मीर 0, मोहम्मद नवाज 14, हसन अली 8 तो शहीन शाह अफरीदी 10 रन बनाकर आऊट हो गए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी करते हुए मिचेल स्टार्क ने 65 रन देकर 1, जोश हेजलवुड ने 37 रन देकर 2, पेट कमिंस ने 62 रन देकर 2, एडम जंपा ने 53 रन देकर 4 तो मार्कोस स्टोइनिस ने 40 रन देकर 2 विकेट लिए।

न्यूजीलैंड की टीम पहुंची धर्मशाला, 22 को भारत से खेलेंगी मैच

धर्मशाला। स्थानीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 22 अक्टूबर को भारत के खिलाफ आईसीसी विश्व कप के लीग मैच के लिए न्यूजीलैंड धर्मशाला पहुंच गई। न्यूजीलैंड की टीम कांगड़ा एयरपोर्ट से सीधे होटल रेडिशन ब्लू पहुंच गई। तय समय से न्यूजीलैंड की टीम करीब दो घंटे देरी से कांगड़ा एयरपोर्ट पर पंहुची। टीम को 3:20 बजे एयरपोर्ट पर पहुंचना था, लेकिन किन्ही कारणों से फ्लाइट दो घंटे देरी से यहां पहुंची। टीम यहां से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सीधा होटल रेडिसन ब्लू पहुंची। टीम इंडिया का धर्मशाला पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर टीम इंडिया के पहुंचने का कार्यक्रम नही जारी हुआ है। उल्लेखनीय है कि 22 अक्टूबर को धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में आईसीसी विश्व क्रिकेट कप के भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले हाई वोल्टेज मैच को देखने के लिए दर्शकों में काफी उत्साह है। मैच को देखने के लिए न सिर्फ प्रदेश के कौने कौने से बल्कि समीपवर्ती राज्यों से भी क्रिकेट के दीवाने धर्मशाला पहंचना शुरू हो गया है। इस मैच के लिए सभी टिकटें ऑनलाइन ही बिक चुकी हैं।

न्यूजीलैंड के बाद टीम भारत की टीम भी पंहुची धर्मशाला, ढोल नगाड़ों के साथ हुआ स्वागत

धर्मशाला। धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में 22 अक्टूबर को भारत और न्यूजीलैंड के मध्य खेले जाने वाले विश्व कप के लीग मैच के लिए रोहित की सेना भी धर्मशाला पंहुच गई। टीम इंडिया के खिलाड़ी व अन्य टीम सदस्य स्पेशल विमान के जरिये पुणे से कांगड़ा हवाई अड्डे पर पहुंचे। हवाई अड्डे पर पहुंचने पर टीम इंडिया का ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया गया। यहां से टीम के खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा के बीच होटल ले जाया गया। कांगड़ा हवाई अड्डे पर अपने फेवरेट स्टार को देखने के लिए क्रिकेट प्रेमियों का भी हजूम लगा रहा। अपने क्रिकेट स्टार की एक झलक देखने को वह बेताब नजर आए। वहीं पुलिस प्रशासन की और से भी खिलाड़ियों की सुरक्षा में कई चूक न हो इसको लेकर पहले ही अतरिक्त पुलिस बल की तैनाती कांगड़ा हवाई अड्डे में कर दी गई थी वहीं लोग भी टीम इंडिया के खिलाड़ियों को देखकर काफी उत्साहित थे। उधर धर्मशाला में होटल पंहुचने पर एचपीसीए के पदाधिकारियों द्वारा टीम इंडिया के खिलाड़ियों का हिमाचली संस्कृति से स्वागत किया।

न्यूजीलैंड ने बहाया पसीना, टीम इंडिया शनिवार को करेगी प्रैक्टिस

वहीं टीम इंडिया के खिलाड़ी कल धर्मशाला के क्रिकेट स्टेडियम में वार्मअप व नेट प्रैक्टिस में भाग लेते हुए नजर आएंगे। इससे पूर्व बीते दिन धर्मशाला पंहुची न्यूजीलैंड की टीम के खिलाड़ियों ने स्टेडियम पंहुचकर जमकर पसीना बहाया। बताते चले कि टीम इंडिया और न्यूजीलैंड दोनों ने अभी तक इस वन डे वर्ल्ड कप में एक भी मैच नहीं हारा है और दोनों टीमें पॉइंट टेबल पर नंबर एक और नंबर दो पर बनी हुई हैं। वहीं धर्मशाला में इन दोनों टीमों के बीच होने वाला मैच काफी दिलचस्प होने वाला है क्योंकि दोनों ही टीमों के खिलाड़ी अपने जीत के क्रम को जारी रखने के मकसद से मैदान में उतरेंगे।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए जगनमोहन राव

हैदराबाद। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के छह पदों-अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष और पार्षद के लिए हुए चुनाव के बाद, जगनमोहन राव को एचसीए का नए अध्यक्ष चुना गया है। इस बीच, दलजीत सिंह ने उपाध्यक्ष पद जीता, देवराज नए सचिव बने और वसवराजू को एचसीए के संयुक्त सचिव के रूप में चुना गया। कोषाध्यक्ष पद पर सीजे श्रीनिवास राव और पार्षद पद पर सुनील अग्रवाल ने जीत हासिल की है. परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद, लोगों ने पटाखे फोड़कर और पंखुड़ियों की वर्षा करके नए सदस्यों के समूह का जश्न मनाना शुरू कर दिया। एचसीए चुनाव में 170 से अधिक लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है. मतदान शुक्रवार को अपराह्न तीन बजे समाप्त हो गया था। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और एचसीए के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद अज़हरुद्दीन सहित कई प्रसिद्ध हस्तियों ने अपने मतदान अधिकार का प्रयोग किया। एचसीए के चुनाव सितंबर 2022 में होने थे, हालांकि, इसके पूर्व अध्यक्ष अज़हरुद्दीन द्वारा अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था। मामला सुप्रीम कोर्ट में गया और देश की शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे को देखने के लिए न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) लाड नागेश्वर राव की अध्यक्षता में एक सदस्यीय समिति नियुक्त की। इस महीने की शुरुआत में, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान को नियमों का उल्लंघन करते हुए एक साथ दो पदों पर रहने का दोषी पाए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था। वह एक ही समय में एचसीए और डेक्कन ब्लू क्रिकेट क्लब दोनों के अध्यक्ष थे।

जन्मदिन पर शतक : मिशेल मार्श बोले- मैं जश्न नहीं मनाता, लेकिन विश्व कप में शतक बनाने पर गर्व

बेंगलुरु। बेंगलुरु ऑलराऊंडर मिशेल मार्श के लिए खास रहा। अपने 33वें जन्मदिन पर खेल रहे मार्श ने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार 121 रन बनाए। शतक बनाकर मार्श बेहद खुश दिखे। उन्होंने पहली पारी खत्म होने के बाद कहा कि यह जन्मदिन का अच्छा उपहार था। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैंने अपने जन्मदिन पर बहुत क्रिकेट खेला है। इससे पहले मैं कभी इस दिन पर 10 से ज्यादा स्कोर नहीं बना पाया था। आज योगदान देकर अच्छा लगा। डेवी के साथ साझेदारी अद्भुत रही। हम पहले से जानते थे कि यह एक उच्च स्कोरिंग मैदान हो सकता है, मैंने यहां बहुत खेला है, मैंने बहुत कुछ मिस किया है, आज इसका यहां फायदा उठाकर अच्छा लगा। मार्श ने पाकिस्तान की गेंदबाजी पर कहा कि यह पावरप्ले में काफी

अच्छी थी। हमने इसका भरपूर फायदा उठाया। शायद कुछ और गेंदें पसंद आतीं, लेकिन मुझे लगा कि पाकिस्तान ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। पार्टनरशिप की बात की जाए तो आज हमारा कम्युनिकेशन अच्छा था। हम एक-दूसरे को आगे बढ़ाते रहे। उनके स्पिनरों ने कुछ समय के लिए काफी अच्छी गेंदबाजी की थी। फिर जब यह सलॉट निकला तो हमने मैच को गहराई तक ले जाने की कोशिश की। हम जानते थे कि मैच में हमें शॉट लगाने के मौके मिलेंगे। वहीं, डेविड वॉर्नर के साथ पार्टनरशिप पर मार्श ने कहा कि यह मेरे लिए शानदार रहे हैं। उन्होंने अपने अनुभव का इस्तेमाल किया, उनके साथ साझेदारी करना बहुत मजेदार था। वहीं, शतक बनाने पर उन्होंने कहा कि जब मैं आम तौर पर शतक बनाता हूं तो मैं ज्यादा जश्न नहीं मनाता, लेकिन आज काफी भावनाएं जुड़ी हुई थीं।

विश्व कप हमेशा विशेष होते हैं और विश्व कप में शतक बनाना एक ऐसी चीज है जिस पर मुझे वास्तव में गर्व है। यह जन्मदिन का एक बेहतरीन उपहार था। उम्मीद है कि हमें खेल पर एक और जीत मिलेगी। क्रिकेट में निश्चित रूप से काफी कुछ है, उम्मीद है कि हम रोशनी में कुछ स्विंग हासिल कर सकेंगे और शुरुआती विकेट लेकर उन पर दबाव डाल सकेंगे।

'हम इससे सीखेंगे, बेहतर प्रदर्शन करेंगे', AUS से हार के बाद बोले शफीक

बेंगलुरु। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में वनडे विश्व कप 2023 के 18वें मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान की 62 रन की निराशाजनक हार के बाद सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक ने कहा कि हमें इस नुकसान से सीखने की जरूरत है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए अब्दुल्ला शफीक ने ऑस्ट्रेलियाई टीम की सराहना की और कहा कि उन्होंने खेल में अच्छा खेला। पाकिस्तानी सलामी बल्लेबाज ने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस हार से सीख लेकर उन्हें आगामी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है।

शफीक ने कहा, ऑस्ट्रेलिया ने बहुत अच्छा खेला है; हमें यह स्वीकार करना होगा और हमने अपना पूरा प्रयास भी किया है। एक गेंदबाजी इकाई के रूप में अंत में, हमने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। हमारी बल्लेबाजी भी अच्छी थी, लेकिन बीच के ओवरों में हम अच्छा नहीं कर सके। उम्मीद है कि हम इससे सीखेंगे और अगले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।शफीक ने स्वीकार किया कि कैच खेल का रुख बदल देते हैं और एक टीम को विकेट दिलाने में मदद करते हैं, और कहा कि पाकिस्तानी क्षेत्ररक्षक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं। शफीक ने कहा, नहीं, मैं ऐसा नहीं सोचता - कैच जाहिर तौर पर आपका खेल बदल देते हैं, आपको विकेट मिलते हैं और आप लय में आ जाते हैं। सभी क्षेत्ररक्षक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कभी-कभी आपको वह मूल्य नहीं मिलता है। लेकिन हमने एक अच्छा मौका दिया है। 23 वर्षीय ने कहा कि मेन इन ग्रीन टीम को अपनी बल्लेबाजी इकाई पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा,हां, हमने इस लक्ष्य का पीछा किया है, जैसा कि श्रीलंका के खिलाफ पिछले मैच में 345 रन का था। हमें अपनी बल्लेबाजी इकाई पर भी भरोसा है। लेकिन हां उन्होंने काफी अच्छी गेंदबाजी की। इसलिए सभी मानकों पर खरा उतरे हैं। हमने अच्छा प्रयास किया जैसे कि शुरुआत में हम अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। और फिर हम अच्छा अंत नहीं कर सके।

शाहीन अफरीदी ने बराबर किया 'ससुर जी' का रिकॉर्ड, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिखाई गेंद की धार

बेंगलुरु। बेंगलुरु के सपॉट पिच पर पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने एक बार फिर से अपनी गेंदबाजी का लोहा मनवाया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रिकेट विश्व कप 2023 के तहत खेले गए मुकाबले के दौरान शाहीन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए। शाहीन के यह 5 विकेट तब सामने आए जब खुलकर खेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम 400 से ज्यादा स्कोर बनाते दिख रही थी। शाहीन के विकेट लेने के कारण ऑस्ट्रेलियाई टीम 367 रन ही बना पाई। बहरहाल, शाहीन ने विश्व कप में दूसरी बार 5 विकेट लिए। अब उनके नाम पर विश्व कप इतिहास में 2 बार

5 विकेट लेने का रिकॉर्ड हो गया है। ऐसा कर उन्होंने अपने ही ससुर यानी शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड बराबर कर लिया है। शाहिद ने भी विश्व कप में 2 बार एक पारी में 5 विकेट चटकाए हैं। इसी के साथ क्रिकेट विश्व कप के 9 मैचों में उनके नाम 25 विकेट हो गई हैं। इससे पहले वह 2019 क्रिकेट विश्व कप के दौरान लॉर्ड्स के मैदान पर 6 विकेट भी चटका चुके हैं।

विश्व कप 2023 में सर्वाधिक विकेट

11 मिचेल सेंटनर, न्यूजीलैंड
10 जसप्रीत बुमराह, भारत
9 मैट हेनरी, न्यूजीलैंड
9 शाहीन शाह अफरीदी, पाकिस्तान
8 हैरिस राऊफ, पाकिस्तान

शाहीन विश्व कप के दौरान नीदरलैंड के खिलाफ 1/37, श्रीलंका 1/66, भारत 2/36, ऑस्ट्रेलिया 5/54 के आंकड़े देने में सफल रहे।

ओसीए ने हार्बिन में 2025 एशियाई शीतकालीन खेलों के लिए खेल कार्यक्रम की घोषणा की

हार्बिन। ओलंपिक कार्डसिल ऑफ एशिया (ओसीए) ने 2025 में चीन के हार्बिन में होने वाले 9वें एशियाई शीतकालीन खेलों के शीतकालीन खेलों के लिए खेल कार्यक्रम की घोषणा की है। एशिया में सभी राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों को भेजे गए एक पत्र में, ओसीए के कार्यवाहक महानिदेशक विनोद कुमार तिवारी ने खुलासा किया कि कुल छह खेल, 11 अनुशासन और 64 प्रतियोगिताएं होंगी। छह खेलों में बायथलॉन, कर्लिंग, आइस हॉकी, स्केटिंग, स्कीइंग और स्की पर्वतारोहण शामिल हैं। सभी छह खेलों में पुरुषों और महिलाओं की स्पर्धाएं होंगी, साथ ही विशिष्ट विषयों में मिश्रित स्पर्धाएं भी होंगी। तिवारी के अनुसार, ओसीए जल्द ही एक समन्वय समिति का गठन करेगा जो खेलों के सभी स्थानों और तैयारियों को देखने के लिए जल्द ही हार्बिन का दौरा करेगी।

एडम जंपा के 150 वनडे विकेट पूरे, कप्तान Pat Cummins ने तारीफ में कहीं यह बात

पुणे। क्रिकेट विश्व कप 2023 के तहत पाकिस्तान के खिलाफ बेंगलुरु के मैदान पर खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा 4 विकेट लेने में सफल रहे। उन्होंने बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, इफ्तिखार अहमद और मोहम्मद नवाज की विकेट चटकाई जिससे ऑस्ट्रेलिया की जीत यकीनी हो गई। जंपा ने 4 विकेट लेने के साथ ही अपने वनडे करियर में 150 विकेट भी पूरे कर लिए। उनकी शानदार परफार्मेंस पर कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि वह शानदार रहे हैं। उन्होंने आज मैच में अपनी क्लास दिखाई। वह हमारे बीच में असली विकेट लेने वाला गेंदबाज है। कमिंस ने कहा कि अब हमारा टारगेट इस बेंचमार्क को बनाए रखने पर है।

स्पिनरों के लिए सबसे तेज 150 वनडे विकेट (मैच)

88- कुलदीप यादव
89- इमरान ताहिर
89 - एडम जम्पा

78 - सकलैन मुश्ताक
80 - राशिद खान
84 - अजंता मेंडिस

बता दें कि ऑस्ट्रेलिया की ओर से वनडे फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड ग्लेन मैकग्रा और ब्रैट ली के नाम पर है जिन्होंने क्रमशः 249 और 221 मैचों में 380-380 विकेट लिए हैं। शेन वार्न के 291 तो मिचेल जॉनसन के 239 विकेट हैं। ऑस्ट्रेलिया के एक्टिव क्रिकेटर माइकल स्टार्क 226 विकेट निकाल चुके हैं। वहीं, जंपा 151 विकेटों के साथ अभी इस लिस्ट में 11वें स्थान पर बने हुए हैं। उम्मीद है कि वह तेजी के साथ 200 विकेट क्लब में पहुंच जाएंगे।

विश्व कप 2023 में टॉप विकेटेकर

11 मिचेल सेंटनर, न्यूजीलैंड
10 जसप्रीत बुमराह, भारत
9 मेट हेनरी, न्यूजीलैंड
9 शाहीन अफरीदी, पाकिस्तान
9 एडम जंपा, ऑस्ट्रेलिया

राष्ट्रीय खेलों के गोल्फ ईवेंट का आयोजन दिल्ली में

नई दिल्ली। इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) और दिल्ली गोल्फ क्लब (डीजीसी) संयुक्त रूप से राष्ट्रीय खेलों के तहत खेले जाने वाले गोल्फ ईवेंट का आयोजन नवम्बर 5-9 के बीच दिल्ली में करेगी। राष्ट्रीय खेलों के गोल्फ ईवेंट को लेकर दिल्ली गोल्फ क्लब के प्रेसीडेंट के.के. बजोरिया ने कहा कि क्लब का उद्देश्य खेल को बढ़ावा देना है। बजोरिया ने कहा, इंडियन गोल्फ यूनियन के साथ मिलकर हमलोग नेशनल गेम्स आयोजित कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि खेल को बढ़ावा देने वाले सभी को साथ लेकर चलें। इसलिए हमने नेशनल गेम्स आयोजित करने के लिए आईजीयू से कोई फीस नहीं लिया है। उन्होंने कहा, हम लोग 6-7 टूर्नामेंट आइजीयू के साथ मिलकर एक साल के अंदर करते हैं। इस साल भी हमने एक साथ कई ईवेंट किए हैं। नेशनल गेम्स भी साथ में कर

रहे हैं। शायद यह पहली बार हुआ है और आशा है कि आगे भी होता रहेगा। भारत के छोटे-छोटे शहरों में गोल्फ को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से इंडियन गोल्फ यूनियन की पूरी दुनिया में गोल्फ के लिए नियम बनाने वाली संस्था आरएंडए से बात चल रही है। हाल ही में आरएंडए के डेवलपमेंट मैनेजर, मिडल ईस्ट और इंडिया, नील ग्राहम भारत आए थे और इंडियन गोल्फ यूनियन के प्रेसीडेंट बृजेन्द्र सिंह, डायरेक्टर जनरल, मेजर जनरल (रिटायर्ड) विभूति भूषण, कोषाध्यक्ष, संजीव रतन सहित कई उच्च पदाधिकारियों से इस मुद्दे पर बात की। नील ग्राहम ने कहा, हम इस साल भारतीय गोल्फ संघ के साथ काम कर रहे है ताकि उन्हें पूरे देश में गोल्फ के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद मिल सके। हम उन क्षेत्रों का समर्थन करते हैं जहां आईजीयू जमीनी स्तर से लेकर विशिष्ट प्रदर्शन तक विभिन्न स्टेकहोल्डर्स की सहायता कर सकता है। 145 देशों में 160 से अधिक संगठन आरएंडए से संबद्ध हैं और हम यह देखने में बहुत रुचि रखते हैं कि भारत का प्रदर्शन कैसा है और हम अपने संसाधनों के माध्यम से उनका समर्थन कैसे कर सकते हैं। गोल्फ को बढ़ावा देने और बच्चों के बीच इसे लोकप्रिय बनाने के लिए भारतीय गोल्फ यूनियन (आईजीयू) और दिल्ली गोल्फ क्लब एक साथ कई कार्यक्रमों पर काम कर रहे हैं। गोल्फ खेल में बच्चों की भागीदारी बढ़ाने के लिए इंडियन गोल्फ यूनियन समय-समय पर जूनियर और सीनियर केटेगरी की टूर्नामेंटों को आयोजित करती रहती है।

भारत-न्यूजीलैंड मैच की टिकटें ब्लैक करते सीआईडी ने धरा आंध्रप्रदेश का व्यक्ति

धर्मशाला। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को धर्मशाला में खेले जाने वाले महा मुकाबले से पूर्व सीआईडी की टीम ने इस मैच की टिकट ब्लैक करते एक व्यक्ति को धर दबोचा है। पकाड़ा गया आरोपी आंध्रप्रदेश का रहने वाला है जिसकी पहचान श्रीकांत रेड्डी के रूप में हुई है। सीआईडी की टीम ने इस व्यक्ति को अपने जाल में उस समय फंसाया जब वह टिकटें ब्लैक करते हुए तीन से चार गुणा अधिक दामों पर बेच रहा था। बताया जा रहा है कि आरोपी इससे पहले भी अन्य मैचों के लिए अलग अलग स्थानों पर इस तरह का धंधा करता रहा है।

एसपी कांगड़ा ने बताया कि दोपहर बाद सीआईडी की टीम ने धर्मशाला रेंज की क्रिकेट स्टेडियम के साथ साई पार्किंग के निकट श्रीकांत रेड्डी को धर दबोचा। रेड्डी देश भर में होने वाले क्रिकेट मैचों के लिए टिकट ब्लैक करने वालों में हो सकता है। सीआईडी ने आरोपी को पकड़ने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी तीन से चार गुणा अधिक दामों पर टिकटें बेच रहा था।

गौरतलब है कि रविवार को इस बार के विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर पहले और दूसरे स्थान पर बनी हुई भारत

और न्यूजीलैंड की टीमों के बीच खेले जाने वाले महा मुकाबले के लिए टिकटों की मारामारी पड़ी हुई है। स्थानीय लोग ही नहीं दिल्ली सहित अन्य स्थानों पर बैठे लोग भी लगातार टिकटों को लेकर एक दूसरे को फोन घुमा रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी ब्लैक में टिकट के आफर महंगे दामों में दिए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर चल रहा टिकट फाड

22 अक्तूबर को होने वाले मैच के लिए हॉस्पिटैलिटी टिकट के लिए एक लाख चालीस हजार रुपए की टिकट ऑनलाइन बेचने का ऑफर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में दिया जा रहा है। हालांकि माना जा रहा है कि यह टिकटें टिकट विक्रेता के ऑफिशियल प्लेटफार्म से नहीं बेची जा रही हैं। इस डील में नोर्थ स्टैंड की टिकट 30 हजार रुपए में देने की ऑफर दी गई है। उधर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक संजय शर्मा का कहना है कि टिकट की इस तरह से बिक्री पूरी तरह से अवैध है तथा पुलिस को इस पर संज्ञान जरूर लेना चाहिए। हो सकता है कि यह फॉड का एक हिस्सा हो लेकिन अधिकृत विक्रेताओं द्वार यह टिकट नहीं बेची जा रही। उन्होंने बताया सभी सुरक्षा एजेंसियों ऐसे लोगों पर नजर रख रही हैं।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2 एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 22 अक्टूबर 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

सुभाष रामलीलाः सीता हरण, शबरी मिलन, बाली वध रहे मुख्य प्रसंग

सीता माता के करुण रुदन से दर्शकों की आंखें हुई नम, मुख्य अतिथि का स्वागत अभिनंदन पदाधिकारियों ने पटका पहनाकर प्रतीक चिन्ह देकर किया

नई दिल्ली/ टीम एक्शन इंडिया

सुभाष रामलीला ड्रामेटिक क्लब के तत्वाधान में नरेला के रामलीला ग्राउंड में हो रही बाहरी दिल्ली की सबसे पुरानी रामलीला में हजारों की संख्या में रामभक्त लीला का आनंद ले रहे हैं। रामलीला में लोग लीला मंचन का आनंद लेने के साथ मेले में झूलों के साथ जायकेदार खान का मजा उठा रहे हैं। सुभाष रामलीला ड्रामेटिक क्लब के प्रधान विष्णु भारद्वाज ने बताया कि सुभाष रामलीला ड्रामेटिक क्लब द्वारा पिछले 76 वर्षों से भव्य रामलीला का मंचन किया जा रहा है। लेकिन इस बार दर्शकों का उत्साह कहीं ज्यादा है। रोज हजारों की संख्या में राम भक्त रामलीला देखने पहुंच रहे हैं। ऐतिहासिक रामलीला में भव्य दशहरा महोत्सव के दिन हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। सुभाष रामलीला में आज खर दूषण का वध, जटायु मरण, सीता हरण, राम विलाप, शबरी मिलन, सुग्रीव मित्रता रामलीला का मंचन किया गया। जिसमें कलाकारों के अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा। इसके अलावा रावण जटायु युद्ध भी देखकर दर्शक रोमांचित हो उठे। सातवे दिन की भव्य रामलीला का शुभारंभ प्रसिद्ध समाजसेवी व खेमो देवी पब्लिक स्कूल के चेयरमैन चौधरी सूरजमल खत्री ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि का स्वागत अभिनंदन पदाधिकारियों ने पटका पहनाकर प्रतीक चिन्ह देकर किया। मुख्य अतिथि चौधरी सूरजमल खत्री ने अपने संबोधन में भगवान राम के आदर्श पर चलने का आह्वान करते हुए सुभाष रामलीला के पदाधिकारियों को भव्य रामलीला आयोजन पर बधाई दी।

सीता हरण का मंचन देखकर भावुक हुए श्रद्धालुः रामलीला मंचन में शनिवार को सीता हरण का भावपूर्ण मंचन देख दर्शक भाव विभोर हो गए। लक्ष्मण सूर्पनखा की नाक काट लेता है. वह अपने भाई रावण को जाकर बताती है। रावण क्रोध में आकर सीता का हरण कर लेता है। इससे पहले रावण का मामा मारीच हिरण का रूप लेकर सीता के सामने से गुजरता है। सीता श्री राम जी से हिरण लाने की जिद करती है। श्रीराम उसे लेने जंगल में दूर तक चले जाते हैं। श्रीराम की मदद के लिए माता सीता ने लक्ष्मण को भेजा। तभी रावण साधु का रूप धारण करके माता सीता का हरण कर लेता है। इस मार्मिक दृश्य में माता सीता के करुण रुदन से दर्शकों की आंखें भर आई। इस दौरान रामलीला देखने के लिए दूरदराज से भारी संख्या में दर्शक पहुंचे। इस मौके पर सुभाष रामलीला के प्रधान विष्णु भारद्वाज, संरक्षक लोकेश गर्ग, संरक्षक मोहनपुरी, उप प्रधान धर्मपाल वर्मा,उप प्रधान मोहित गुप्ता, महासचिव संजय बंसल, सचिव संदीप मंगला, लेखाकार अनिल कुमार गर्ग, संगठन सचिव मुकेश बंसल, सुरेश गुप्ता, ऑडिटर डॉ सचिन कौशिक व शुभम रोहिल्ला, विशेष सलाहकार भारत भूषण शर्मा, मैदान पर्यवेक्षक जयपाल रोहिल्ला, चरण सिंह, राकेश खत्री, जयदीप खत्री, रणजीत सिंह, मोहित गौतम सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

चौधरी सूरजमल खत्री, प्रसिद्ध समाजसेवी एवं चेयरमैन खेमो देवी पब्लिक स्कूल

प्रभु श्री राम की लीला को जन-जन तक ले जाने का सबसे सशक्त माध्यम रामलीला है। मुझे खुशी है कि सुभाष रामलीला पिछले 76 वर्षों से आज की युवा पीढ़ी को प्रभु श्री राम की लीलाओं और उनकी शिक्षाओं से अवगत कराने में प्रयासरत है।

धर्मपाल वर्मा, उप प्रधान

सुभाष रामलीला द्वारा बेहद भव्य स्तर पर लीला का आयोजन किया जा रहा है। दूर-दूर से हजारों की संख्या में लोग लीला देखने आ रहे हैं। सुभाष रामलीला का हर एक सदस्य रामलीला को भव्य बनाने के लिए दिन-रात प्रयासरत है। मुझे भी प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से हर वर्ष सेवा कार्य का मौका मिलता है।

केवल पार्क रामलीला : शबरी प्रेम और बालि वध का हुआ मंचन

भगवान श्रीराम ने भ्राता लक्ष्मण के साथ आश्रम में प्रवेश किया तो शबरी उनके चरणों में लेट गई। उसने जल से पांव धोकर आसन पर बैठाया और सरस कंद, मूल, फल अर्पण किए

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

श्री आदर्श कला केंद्र, रामलीला कमेटी, केवल पार्क की रामलीला में विभिन्न प्रसंगों का मंझे हुए कलाकारों ने बेहद मनमोहक मंचन किया, जिसे देख दर्शक भावविभोर हो रहे हैं। रामलीला के सातवें दिन शबरी मिलन, राम-सुग्रीव मित्रता व बाली वध का मंचन किया गया।

पहले दृश्य में प्रभु श्रीराम, भाई लक्ष्मण के साथ माता सीता की खोज में जंगल में भटक रहे हैं। दूर से उन्हें जय श्रीराम की आवाज सुनाई दी और पास जाने पर देखते हैं कि वृद्ध महिला कुटी में प्रभु नाम का जप कर रही है। कुटी में प्रवेश करते ही महिला अपना परिचय प्रभु भक्त शबरी के रूप में दी और उसके बाद भक्त और भगवान के भावपूर्ण वार्तालाप से दर्शक भाव-विभोर हो गए। भगवान श्रीराम ने भ्राता लक्ष्मण के साथ आश्रम में प्रवेश किया तो शबरी उनके चरणों में लेट गई। उसने जल से पांव धोकर आसन पर बैठाया और सरस कंद, मूल, फल अर्पण किए। वहीं, ऋष्यमूक पर्वत पर विराजमान वानर राज सुग्रीव राम और लक्ष्मण को आते देख डर जाते हैं। हनुमान जी को ब्राह्मण का रूप धारण कर उनके बारे में पता लगाने के लिए भेजते हैं। प्रभु श्रीराम को पहचान कर हनुमान जी उनके पैरों में गिर पड़ते हैं। दोनों भाइयों को कंधे पर बैठाकर सुग्रीव के पास ले जाते हैं। श्रीराम के पूछने पर सुग्रीव ने अपने भाई बाली के बारे में बताया कि स्त्री व धन लेकर मुझे भगा दिया है इसलिए मैं यहां निवास करता हूं। बाली को मारने के लिए राम-लक्ष्मण चले जाते हैं। दोनों भाइयों की सूरत एक समान होने से वह बाली को मार नहीं पाते। बाद में सुग्रीव के गले में मोती की माला पहनाकर बाली का वध करते हैं।

अशोक गर्ग, उपप्रधानः सभी को प्रभु श्रीराम के बताये हुए मार्ग पर चलना चाहिए और हमेशा ही सत्य का साथ देना चाहिए, जो व्यक्ति सत्य की राह पर चलता है, उसे एक दिन सफलता अवश्य ही प्राप्त होती है, इसलिए सभी सत्य की राह पर चले और दूसरों को भी साथ की राह पर चलने के लिए प्रेरित करें। प्रभु श्रीराम सब पर अपनी कृपा बनाए रखें।

महावीर, उपप्रधानः हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य रामलीला मंचन के लिए पूरी टीम बधाई की पात्र है। हम सभी को प्रभु श्रीराम के दिखाए हुए मार्ग पर चलना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में सच व धर्म का मार्ग नहीं छोड़ना। चाहिए प्रभु श्री राम सबका कल्याण करेंगे। सत्य का मार्ग ही सतयुग का मार्ग है।